INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-156 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 1 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

सरकारी स्कूल में 46 बच्चों को पढ़ा रहा एक शिक्षा मित्र

यूनिक समय, कोसीकलां। यह समाचार पढ़ने में कुछ अजीब लग सकता है, लेकिन सच्चाई यही है। कस्बा में एक विद्यालय ऐसा भी है, जहां बच्चों को न तो पीने के लिए पानी है और शौंचालय का इंतजाम। इस पर भी स्कूल में 46 छात्र होने के बावजूद पढ़ाने के लिए एक शिक्षा मित्र और एक सेवक है। इस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे गरीब परिवार से आते हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि इन गरीब बच्चों को सरकारी स्कूल में किस तरह पढ़ाया जा रहा है।

सरकार स्कूल चलो अभियान आदि के लुभावने नारे देकर शिक्षा का प्रसार प्रचार तो करती है, लेकिन धरातल पर स्कूलों की स्थिति क्या है, शायद इसे देखने की फुरसत अधिकारियों को नहीं है।

विद्यालय में छात्रों के लिए पीने को पानी नहीं, बैठने को बेंच भी नहीं

बोरे पर बैठ कर एक साथ पढ़ते हैं एक से पांच तक के बच्चे

ऐसा कोसीकलां के एक सरकारी स्कूल की हालत को देख कर समझा जा सकता है कि इन गरीब बच्चों को सरकारी स्कूलों में किस तरह पढ़ाया जा रहा है।

इस विद्यालय में कक्षा एक से पांच तक के 46 बच्चे पढ़ते हैं। इन्हें पढ़ने के लिए सिर्फ एक शिक्षा मित्र सविया और एक सेवक सिराज है। नतीजा ये कि सभी बच्चों को एक साथ खुले बरामदे में बिठाकर पढ़ाया जाता है। सरकार का नियम है कि 30 बच्चों पर एक शिक्षक और हर कक्षा के लिए अलग टीचर हो, लेकिन यहां शिक्षा विभाग ने आंखें मूंद रखी हैं। बच्चों को बैठने के लिए बेंच नहीं, इसलिए बच्चे जमीन पर बोरी बिछाकर बैठ कर पढ़ते हैं।

सबसे शर्मनाक बात ये है कि 46 बच्चों के लिए विद्यालय में पीने का पानी और शौंचालय तक नहीं है। शौचालय जर्जर अवस्था में है, हैंडपंप भी खराब पड़ा है।

बच्चे पीने का पानी अपने घर से लाने को मजबूर हैं। सफाई के नाम पर बच्चे ही झाड़ु लगाते हैं। महीनों से कोई अधिकारी निरीक्षण करने के लिए भी विद्यालय में नहीं आया। सरकार शिक्षकों को हजारों रुपये तनख्वाह दे रही है, लेकिन इस विद्यालय में एक शिक्षा मित्र से पांच कक्षाएं चलवाई जा रही हैं। सवाल ये है कि जब पैसा खर्च हो रहा है तो गरीब का बच्चा क्यों नहीं पढ़ पा रहा, अगर सरकारी स्कूलों में ही शिक्षा नहीं मिलेगी तो गरीब का बच्चा पढ़-लिखकर कैसे आगे बढ़ेगा।

अभिभावक शरीफ कुरैशी ने गुस्से में कहा, हमारे पास प्राइवेट स्कूल में भेजने को पैसे नहीं हैं। सोचा सरकारी स्कूल में बच्चा पढ़ जाएगा। लेकिन यहां तो टीचर ही नहीं है। सरकार गरीबों के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है।

उमस के बीच बिहारीजी के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर में शनिवार को सावन मास के चलते श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह मंगला आरती के साथ ही मंदिर के पट खुलते ही दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। दिन चढ़ने के साथ श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती गई, जिससे मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में पूरे दिन चहल-पहल बनी रही।

शनिवार को मौसम में तेज उमस और गर्मी होने के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं दिखी। दूर-दराज से आए श्रद्धालु घंटों कतार में खड़े होकर अपने आराध्य के दर्शन के लिए इंतजार करते रहे। कई श्रद्धालुओं को उमस के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। भीड़ के दबाव और उमस की वजह से श्रद्धालुओं की सांस फूलती रही, गली में खड़े होने में समस्या आई।

वैसे, मंदिर प्रशासन और पुलिस ने बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के विशेष इंतजाम किए। श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से दर्शन कराने के लिए बैरिकेडिंग, कतार व्यवस्था और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई। मंदिर के प्रमुख मार्गों और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस लगातार निगरानी करती रही, जिससे दर्शन व्यवस्था सुचारु बनी रही।

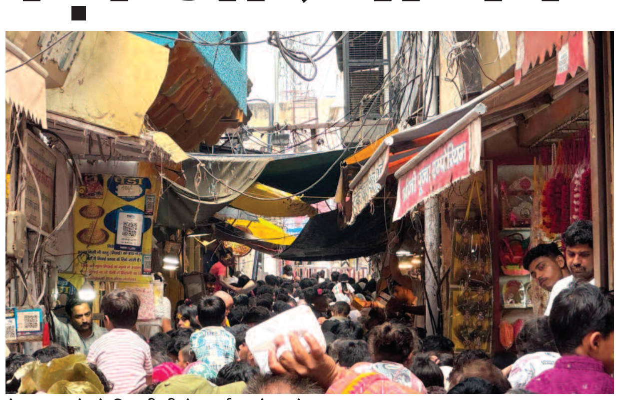

गेट नंबर दो से बिहारीजी के दर्शन को जाते श्रद्धालु।

मंगला आरती के बाद से मंदिर के बाहर लगी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें

भीषण उमस के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्ति में नहीं आई कमी

सावन मास में बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि सप्ताहांत और अवकाश के दिनों में मंदिर में विशेष भीड़ देखने को मिल रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि ठाकुरजी के दर्शन से उन्हें मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति होती है। पूरे दिन मंदिर परिसर "राधे-राधे" और "जय श्री बांके बिहारी" के जयघोष से गूंजता रहा, जिससे वृंदावन का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

भीड़ के कारण मंदिर के आसपास के बाजारों में भी रौनक देखने को मिली। प्रसाद, फूल-माला और धार्मिक वस्तुओं की दुकानों पर श्रद्धालुओं की अच्छी खरीदारी रही। हालांकि भीड़ अधिक होने के बावजूद दर्शन व्यवस्था सामान्य बनी रही और किसी प्रकार की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली।

डीएम ने सदर तहसील का किया निरीक्षण, दिए सुधार के निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। संपूर्ण समाधान दिवस के बाद शनिवार को डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने सदर तहसील परिसर के विभिन्न कार्यालयों-राजस्व पटलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव और कार्यालयों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया।

उन्होंने सहायक रजिस्ट्रार कानूनगो कक्ष, कंप्यूटर नकल खतौनी कक्ष, राजस्व अभिलेखागार सहित कई शाखाओं का निरीक्षण कर बसता सूची रजिस्टर का अवलोकन किया और उसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि दाखिल-खारिज के मामलों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। साथ ही सभी कर्मचारियों की सर्विस बुक अद्यतन रखने और अभिलेखों का सुरक्षित संरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। समाधान दिवस में सदर तहसील में 52 में से 7, महावन में 50 में से 5, मांट में 37 में से 7, गोवर्धन में 29 में से 3 तथा छाता में 46 में से 5 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

GLA UNIVERSITY
Accredited with A+ Grade by NAAC
Mathura | Greater Noida
29 Years EDUCATIONAL EXCELLENCE
ADMISSION OPEN 2026-27
COURSES OFFERED
MCA » AIML
BCA » Digital Marketing » Data Science » AIML
SCAN FOR REGISTRATION
Key Features
» Placement Oriented Academic
» Live Projects & Hackathons » Certified Training
60 LPA Highest Package | 3000+ Job Offers (Current Batch) | 86% Overall placements in past 5 years | 7K Alumni Working Aboard
NAAC A+ 3.46 NAAC SCORE | THE (Asia 2026) All Private Universities Ranking India - 18 U.P. - 3 | QS Asia 2026 All Private Universities Ranking India - 44 U.P. - 5
+91-9027068068 Visit us: www.gla.ac.in
EMPOWER YOUR GROWTH WITH GLA ONLINE | Find details at: online.gla.ac.in

बारिश से महंगे हुए फूल, घटी आवक ने बढ़ाए दाम

फूलों की कीमत बढ़ने से ग्राहक हो रहे परेशान

यूनिक समय, मथुरा। आवक वाले राज्यों में लगातार हो रही बारिश का असर अब फूलों के कारोबार पर भी साफ दिखाई देने लगा है। अधिक नमी, परिवहन में देरी और समय पर आपूर्ति नहीं होने से फूलों की आवक घट गई है। इसके साथ ही नमी के कारण फूल जल्दी मुरझा रहे हैं, जिससे कारोबारियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। बढ़ती लागत और नुकसान की भरपाई के लिए फूल विक्रेताओं ने कीमतों में 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी कर दी है।

धार्मिक आयोजनों, मंदिरों, विवाह समारोहों और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में फूलों की मांग पूरे वर्ष बनी रहती है। सावन माह शुरू होने के साथ मंदिरों में पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम बढ़ जाते हैं, जिससे फूलों की खपत भी बढ़ रही है। हालांकि, बारिश के कारण आपूर्ति प्रभावित होने से बाजार में पर्याप्त मात्रा में ताजे फूल नहीं पहुंच पा रहे हैं।

फूल विक्रेता भूदेव ने बताया कि जिले में गुलाब, गेंदा, रजनीगंधा और अन्य सजावटी फूल मुख्य रूप से लखनऊ, कानपुर और आसपास की मंडियों से आते हैं। लगातार बारिश के चलते परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई है, जिससे समय पर आपूर्ति नहीं हो रही। दूसरी ओर अधिक नमी के कारण फूलों की ताजगी भी कम समय तक बनी रहती है और उनके खराब होने की आशंका बढ़ जाती है। वर्तमान में गेंदा 120 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है, जबकि गुलाब की कीमत 200 से 300 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई है।

फूलों की कमी से बाजार में बढ़े गुलाब-गेंदा के दाम

कारोबारियों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा और सावन में मांग बढ़ी तो आने वाले दिनों में फूलों की कीमतों में और उछाल देखने को मिल सकता है। इससे पूजा-पाठ, सजावट और समारोहों का खर्च भी बढ़ने की संभावना है।

फूल कारोबारी गौरव का कहना है कि बारिश के कारण बाहर की मंडियों से फूल आने में समय लग रहा है। गाड़ियों में नमी के चलते गेंदा और गुलाब की पंखुड़ियां काली पड़कर गलने लगती हैं। मंडी तक आधा माल खराब पहुंचता है।

सावन में घेवर की मिठास पर महंगाई की मार

घी, चीनी और ईंधन महंगे होने से बढ़ी उत्पादन लागत

हरियाली तीज से पहले मिठास पर पड़ा असर

यूनिक समय, मथुरा। हरियाली तीज का पर्व नजदीक आते ही बाजारों में सावन की सबसे लोकप्रिय मिठाई घेवर की मांग बढ़ने लगी है, लेकिन इस बार इसकी मिठास महंगाई के कारण फीकी पड़ती नजर आ रही है। देसी घी, वनस्पति घी, चीनी, मैदा, रिफाइंड और ईंधन की लगातार बढ़ती कीमतों का सीधा असर घेवर के दाम पर पड़ा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार घेवर की कीमतों में 100 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे ग्राहकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

15 अगस्त को हरियाली तीज का पर्व मनाया जाएगा। इस खास अवसर पर विवाहित बेटियों और बहनों को घेवर भेंट करने की परंपरा है। त्योहार नजदीक आने के साथ ही मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ रही है, लेकिन बढ़ी हुई कीमतों को देखकर कई लोग खरीदारी को लेकर सोच–विचार कर रहे हैं।

बाजार में इस समय देसी घी से तैयार रबड़ी घेवर 900 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है, जबकि पिछले वर्ष इसकी कीमत करीब 800 रुपये प्रति किलो थी। वहीं मावा घेवर 380 से

घेवर तैयार करता कारीगर।

400 रुपये प्रति किलो और सादा घेवर लगभग 300 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। पिछले साल सादा घेवर करीब 200 रुपये प्रति किलो बिक रहा था।

मिठाई कारोबारियों का कहना है कि कच्चे माल की बढ़ती कीमतों के कारण दाम बढ़ाना उनकी मजबूरी बन गया है। सीजन पर घेवर तैयार कराने वाले प्रवीन अग्रवाल के अनुसार, देसी घी के 15 किलो वाले टीन की कीमत एक वर्ष में 8,500 रुपये से बढ़कर 9,500 रुपये हो गई है। वनस्पति घी का टीन कुछ महीनों पहले 2,200 रुपये में मिलता था, जो अब 2,700 रुपये तक पहुंच गया है। मजदूरी लागत भी इस बार बढ़ गई है।

मिठाई विक्रेताओं के अनुसार, मैदा 27 से बढ़कर 32 रुपये, चीनी 42 से 50 रुपये और कोयला 14 से 22 रुपये प्रति किलो हो गया है। रिफाइंड के दामों में भी बढ़ोतरी हुई है। व्यापारियों का कहना है कि व्यावसायिक गैस की सीमित उपलब्धता के कारण कई दुकानों पर कोयले की भट्ठियों का उपयोग करना पड़ रहा है, जिससे उत्पादन लागत और बढ़ रही है। ऐसे में इस बार तीज पर घेवर की मिठास के साथ महंगाई का स्वाद भी ग्राहकों को महसूस होगा।

घंटाघर चौराहे पर बेखौफ चल रहा है सट्टे का कारोबार

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की पहचान माने जाने वाले घंटाघर चौराहे पर अब सट्टे का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। दिनभर यहां लोगों की भीड़ लगी रहती है और खुलेआम 'सट्टे की पर्ची' कटती रहती हैं। मानों पुलिस का किसी को खौफ ही नही है।

स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि सुबह से शाम तक घंटाघर चौराहे पर यहां सट्टा लगाया जाता है।

पैसे का लेन–देन सरेआम होता है। कई बार पुलिस से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सबसे हैरानी की बात तो ये है कि घंटाघर चौराहा पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर है। इसके बावजूद सट्टा माफिया बेखौफ होकर कारोबार चला रहे हैं। लोगों का कहना है घंटाघर जैसी व्यस्त जगह पर सट्टे का धंधा चल रहा है।

इससे युवा बर्बाद हो रहे हैं। इस संबंध में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार ने बताया कि ऐसा कोई मामला उनके संज्ञान में नहीं है, जांच कर कारवाई अमल में लाई जाएगी।

भक्ति और उल्लास के बीच आचार्य सुरत्न सागर का भव्य मंगल प्रवेश

मंगल कलश यात्रा के दौरान जैन समाज की श्रद्धालु महिलाएं।

चातुर्मास के लिए मथुरा पहुंचे आचार्य, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

शोभायात्रा में बच्चों, युवाओं और मातृशक्ति ने दिखाई अनुशासित सहभागिता

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य सुरत्न सागराचार्य ससंघ के चातुर्मास के लिए शहर आगमन पर शुक्रवार को भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन से ओत-प्रोत इस आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शहर का वातावरण दिनभर धार्मिक उल्लास और जिनवाणी के जयघोष से गुंजायमान रहा।

मंडी चौराहे से प्रारंभ हुई शोभायात्रा विभिन्न प्रमुख मार्गों से होती हुई जम्बू स्वामी सिद्ध क्षेत्र चौरासी मंदिर पहुंची। मार्ग में श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री का पुष्पवर्षा, मंगल गीतों और जयकारों के साथ स्वागत किया। जैन समाज के बालक, युवा, मातृशक्ति और वरिष्ठजन बड़ी संख्या में शोभायात्रा में शामिल हुए और धार्मिक आस्था-सामाजिक एकता का परिचय दिया।

जैन पाठशाला के बच्चों ने अनुशासित प्रस्तुति से सभी का ध्यान आकर्षित किया। श्रवण ज्ञान भारती के विद्यार्थियों ने जिनेन्द्र शास्त्री और अंशुल शास्त्री के मार्गदर्शन में सेवा और संस्कारों का संदेश दिया। वहीं जैन इंटर कॉलेज के स्काउट बैंड ने आकर्षक वादन से शोभायात्रा की गरिमा बढ़ाई। मातृशक्ति द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीत और धार्मिक नृत्य ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर आचार्य सुरत्न सागराचार्य ने श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देते हुए धर्म, संयम और संस्कारों के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

आयोजन के समापन पर चातुर्मास समिति और सकल जैन समाज ने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी समाजजनों, स्वयंसेवकों, सहयोगियों और प्रायोजकों का आभार व्यक्त किया। समारोह ने मथुरा जैन समाज की एकता, अनुशासन और धार्मिक समर्पण की प्रभावशाली मिसाल प्रस्तुत की।

फरह में स्वास्थ्य शिविर कल

यूनिक समय, फरह। कस्बा के समीपवर्ती दीनदयाल धाम- दौलतपुर मार्ग स्थित गोस्वामी चिकित्सालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा। शिविर में जनरल फिजीशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, मूत्र रोग विशेषज्ञ, शिशु- बाल रोग विशेषज्ञ समेत कई चिकित्सक सहभागिता करेंगे। चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डा. प्रेमचंद गोस्वामी ने बताया कि दोपहर 12 बजे से दो बजे तक आयोजित शिविर में कई जांच निःशुल्क होंगी। उन्होंने क्षेत्रीय लोगों से शिविर का लाभ उठाने को कहा है।

मैथिल ब्राह्मण महासभा का चुनाव पांच अगस्त को

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय मैथिल ब्राह्मण महासभा के अंतर्गत संचालित मैथिल ब्राह्मण महासभा की जिला कार्यकारिणी का चुनाव पांच अगस्त को होगा। वर्तमान जिलाध्यक्ष श्यामलाल मिश्र ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया पांच अगस्त को प्रातः 11 बजे लटूर प्रधान फार्म हाउस ट्रांसपोर्ट नगर में होगी।

उन्होंने बताया कि चुनाव महासभा के संविधान-निर्धारित परंपराओं के अनुरूप वरिष्ठजनों, गणमान्य व्यक्तियों औरसमाज के सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में निष्पक्ष-शांतिपूर्ण वातावरण में कराया जाएगा। श्यामलाल मिश्र ने जिले के सभी स्वजातीय बंधुओं से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर चुनाव प्रक्रिया में सहभागिता निभाने, संगठन की मजबूती के लिए अपना सहयोग देने की अपील की।

यमुना का जलस्तर बढ़ा, पानी में डूबी दो सीढ़ियां

यूनिक समय, वृंदावन। पिछले कुछ दिनों की तुलना में यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ गया है। जलस्तर में आई इस बढ़ोतरी का असर केसी घाट पर भी देखने को मिला, जहां घाट की दो सीढ़ियां पानी में डूब गई हैं। हालांकि, स्थिति फिलहाल सामान्य बनी हुई है।

शनिवार को केसी घाट पर सुबह से ही श्रद्धालु स्नान और पूजा–अर्चना के लिए पहुंचे। जलस्तर बढ़ने के कारण घाट की निचली दो सीढ़ियां पानी में समा गईं, जिससे श्रद्धालुओं को ऊपर की सीढ़ियों से ही स्नान और दर्शन करने पड़े। प्रशासन की ओर से भी लोगों से सावधानी बरतने और अनावश्यक रूप से गहरे पानी में न जाने की अपील की गई है।

शनिवार को यमुना में स्नान करते लोग।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यमुना के ऊपरी क्षेत्रों में हुई वर्षा के कारण जलस्तर में यह मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। यदि आने वाले दिनों में बारिश का सिलसिला जारी रहता है तो जलस्तर में और बढ़ोतरी हो सकती है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही पहले की तरह जारी है। केसी घाट पर धार्मिक गतिविधियां भी सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं। स्थानीय नागरिकों ने भी लोगों से अपील की है कि वे नदी किनारे सतर्कता बरतें।

वृंदावन रोड पर ट्रैक्टर ने स्कूल बस में मारी टक्कर

हादसे में एक दर्जन छात्राएं घायल

ट्रैक्टर की टक्कर से क्षतिग्रस्त बस।

तीन को अस्पताल भेजा

यूनिक समय, सुरीर। वृंदावन रोड पर शनिवार प्रातः धानुका सरस्वती बालिका विद्यालय की स्कूल बस को सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने लापरवाही से टक्कर मार दी। बस में सवार छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। हादसे में करीब एक दर्जन छात्राएं घायल हो गईं। तीन को अस्पताल पहुंचाया गया।

आज प्रातः मांट से वृंदावन के हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्यालय की बस छात्राओं को प्रतिदिन की तरह विद्यालय के लिए ले जा रही थी। बस में तीन दर्जन से अधिक छात्राएं बैठी हुई थी। करीब आठ बजे बस वृंदावन रोड पर पहुंची ही थी कि सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि बस के ड्राइवर साइड के अधिकांश शीशे टूट गए। शीशों के टूटे हुए टुकड़े बस में बैठी छात्राओं के चेहरे और शरीर पर लगे, जिससे करीब एक दर्जन छात्राएं घायल हो गईं। हादसे के बाद बस में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए मौके पर पहुंच गए। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची मांट थाना प्रभारी और पुलिसकर्मियों ने घायल छात्राओं को बस से सुरक्षित बाहर निकाला। गंभीर घायल कक्षा छह की छात्रा चेतना चौधरी पुत्री प्रेम सिंह निवासी जावरा, कक्षा सात की यति चौधरी पुत्री पवन कुमार और सविता पुत्री नगेंद्र को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मांट भेजा गया। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उन्हें अपने साथ घर ले गए।

हादसे की सूचना मिलते ही विद्यालय का स्टाफ भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस और ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सभी छात्राएं अब खतरे से बाहर बताई जा रही हैं।

हाईवे पर रैपुराजाट पुलिस चौकी की गश्ती जीप को ट्रक ने टक्कर मारी

दो सिपाही घायल, जीप क्षतिग्रस्त

ट्रक का चालक मौके से भागा

ट्रक की टक्कर के बाद हाइवे किनारे पड़ी पुलिस की गाड़ी।

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना फरह की रैपुराजाट चौकी की गश्ती जीप को पीछे से आते ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में दो सिपाही घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में ट्रक और पुलिस की जीप हाइवे किनारे खाईमें जा गिरे।

सीओ रिफाइनरी ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे थाना फरह की रैपुराजाट चौकी की गश्त करती जीप को पीछे से आते ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में पुलिस जीप क्षतिग्रस्त हो गई। जीप में बैठे सिपाही मोहित कुमार और भरत घायल हो गए। पुलिस की जीप को टक्कर मारने और दो सिपाहियों के घायल होने की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल, सीओ रिफाइनरी मौके पर पहुंच गए। दुर्घटना के बारे में उच्चाधिकारियों को भी सूचना दी गई। दुर्घटना में घायल दोनों सिपाहियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्घटना करने के बाद चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर भाग गया। दुर्घटना की रिपोर्ट थाना फरह में दर्ज कराई गई है। घायल दोनों सिपाहियों का इलाज चल रहा है।

मांगें लंबित रहीं तो पांच अगस्त से लेखपाल संघ का आंदोलन

डीएम सीपी सिंह को ज्ञापन सौंपते लेखपाल संघ के पदाधिकारी।

लेखपाल संघ ने डीएम के माध्यम से राजस्व परिषद को भेजा ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने अपनी लंबित और न्यायोचित मांगों के समाधान के लिए राजस्व परिषद की अध्यक्ष को डीएम चंद्रप्रकाश सिंह के माध्यम से ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि पांच अगस्त तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर के लेखपाल आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

संघ ने गृह मंडल में अंतर्मंडलीय स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल दोबारा खोलने, चयन वर्ष 2025–26 की पदोन्नति सूची तत्काल जारी करने और चयन वर्ष 2024 के विभागीय परीक्षा परिणाम और प्रशिक्षण प्रमाणपत्र शीघ्र घोषित करने की मांग की है। इसके अलावा स्टेशनरी भत्ता 100 से 500 रुपये, वाहन भत्ता 1500 रुपये और विशेष भत्ता 1000 रुपये किए जाने का अनुरोध किया गया है। ज्ञापन में भूलेख कार्यालयों और अन्य पटलों से संबद्ध लेखपालों को अवमुक्त करने, ग्राम सचिवालयों में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए बिना रोस्टर लागू न करने की भी मांग उठाई गई है।

संघ का कहना है कि एक लेखपाल के पास कई गांवों का कार्यभार होने से एक स्थान पर बैठकर सभी कार्य करना संभव नहीं है।

लेखपाल संघ ने स्पष्ट किया है कि मांगें पूरी न होने पर पांच अगस्त से अतिरिक्त हल्कों का कार्य छोड़ दिया जाएगा और भविष्य में ऑनलाइन कार्यों का भी बहिष्कार किया जा सकता है। संघ ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य जनहित प्रभावित करना नहीं, बल्कि वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान कराना है।

शराब के नशे में पति करता है मारपीट

दो छोटी बेटियों के साथ महिला दर-दर भटकने को मजबूर

यूनिक समय, कोसीकलां, मथुरा। नगर के एक मोहल्ले में रहने वाली एक महिला का आरोप है कि पति रोजाना शराब पीकर बच्चों के सामने ही बेरहमी के साथ मारपीट करता है। महिला ने पति और ननद पर मारपीट-उत्पीड़न कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस में तहरीर दी है। पीड़िता शिवानी के अनुसार, उसकी शादी कई साल पहले लक्ष्मण से हुई थी। शादी के बाद से ही पति शराब का आदी हो गया और कोई काम नहीं करता। घर का खर्चा भी नहीं देता। शराब के नशे में वह आये दिन मारपीट करता है। महिला का आरोप है कि पति कई बार उसे जान से मारने की कोशिश कर चुका है। कहता है किसी दिन तुझे जान से मार दूंगा और किसी को पता भी नहीं चलेगा।

पीड़िता ने बताया कि पति की बहन जो दिल्ली में रहती है, वह भी भाई का साथ देती है और उसे तलाक दिलवाने की धमकी देती है। उसकी पांच साल और चार साल की दो बेटियां हैं। पति और नंद की प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता ने थाना में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

कोसी में मीट की खरीद फरोख्त पर लगी पाबंदी

सावन माह को लेकर पालिका ने जारी किया फरमान

यूनिक समय, कोसीकलां। सावन मास में प्रत्येक सोमवार को नगर में मीट, मांस, मछली आदि की बिक्री पर नगर पालिका प्रशासन ने पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं पुलिस ने प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की बात कही है। निगरानी के लिए टीमें गठित की गयी हैं।

सावन माह के प्रत्येक सोमवार और महाशिवरात्रि के त्यौहार को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने मीट, मछली की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। इसे लेकर सार्वजनिक घोषणा कराई गई है। नगर के अंदर मीट, मछली की बिक्री नहीं होगी। चेतावनी दी गई है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पालिका की इस चेतावनी से ऐसे कारोबार से जुड़े लोगों में खलबली मच गयी है। चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल ने बताया कि तीन अगस्त, 10 अगस्त, 11 अगस्त, 17 अगस्त, 24 अगस्त को पड़ने वाले सोमवार के दिन सीमा क्षेत्र में मीट, मांस, मछली कटान पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया है। वहीं पुलिस प्रशासन भी शासन के इस आदेश को लेकर सख्त हो गया है। उन्होंने सभी विक्रेताओं को इस बावत सूचना जारी कर दी है। इंस्पेक्टर कमलेश कुमार ने कहा कि नियमों का जो भी उल्लंघन करेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

शेरगढ़ सीएचसी के पास टूटा विद्युत पोल, हादसे का डर

सीएचसी के पास टूटा विद्युत पोल।

यूनिक समय, शेरगढ़। ग्राम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के पास लगा विद्युत पोल लंबे समय से टूटी और जर्जर अवस्था में खड़ा है। पोल इस समय गिरासू हालत में है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन अस्पताल आने वाले मरीज, तीमारदार, राहगीर और स्कूली बच्चे बड़ी संख्या में गुजरते हैं। यदि यह पोल अचानक गिर जाता है तो किसी भी समय जनहानि हो सकती है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि दुर्घटना होने से पहले इस क्षतिग्रस्त पोल को तत्काल बदलवाया जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। लोगों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ी दुर्घटना होने की पूरी संभावना है।

स्टेडियम में निखर रही खिलाड़ियों की प्रतिभा, कुश्ती का ले रहे प्रशिक्षण

मोहनलाल स्टेडियम गणेशरा में आठ खेलों के लिए हैं प्रशिक्षक

कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचकर जिले का बढ़ा चुके हैं मान

यूनिक समय,मथुरा। गणेशरा स्थित मोहनलाल स्टेडियम जिले की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान देने का केंद्र बन रहा है। यहां प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे कई खेलों का नियमित अभ्यास कर अपने हुनर को निखार रहे हैं। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खिलाड़ी जिला, मंडल, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे हैं।

स्टेडियम में खेलों का माहौल लगातार बेहतर हो रहा है। यहां सुबह और शाम दोनों समय बच्चों को विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण दिया जाता है। अलग-अलग आयु वर्ग के खिलाड़ी अपनी रुचि के अनुसार खेलों का चयन कर नियमित अभ्यास कर रहे हैं। स्टेडियम में वर्तमान में आठ खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्टेडियम में चल रहे प्रशिक्षण के दौरान बास्केटबॉल में लगभग 30, फुटबॉल में 45, एथलेटिक्स में 50, तलवारबाजी में 20, कुश्ती में 35, जूडो में 40, हॉकी में 40 और बॉक्सिंग में करीब 40 खिलाड़ी प्रतिदिन अभ्यास के लिए पहुंचते हैं।

स्टेडियम में गद्दों पर कुश्ती लड़ने का अभ्यास करते किशोर पहलवान।

स्टेडियम में खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो सुबह 5:30 बजे से 8:30 बजे तक चलता है, जबकि शाम को 4 बजे से 7 बजे तक बच्चे खेलते हैं। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि स्टेडियम में आठ खेलों के लिए आठ प्रशिक्षक तैनात हैं, जो खिलाड़ियों को रोजाना प्रशिक्षण दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से अधिक आयु के शौकिया खिलाड़ियों से प्रवेश के समय 310 रुपये शुल्क लिया जाता है, इसके बाद 200 रुपये प्रतिमाह शुल्क निर्धारित है। वहीं 18 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों से वर्ष में केवल एक बार 210 रुपये का नाममात्र शुल्क लिया जाता है। उन्होंने बताया कि स्टेडियम में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कई खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके हैं। जिसमें कुश्ती, हॉकी और अन्य खेलों के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जिले का प्रतिनिधित्व कर अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे अन्य बच्चों का भी खेलों के प्रति उत्साह बढ़ा है।

स्व. श्रीमती माया देवी

उठावनी

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्यनीय माताजी श्रीमती मायादेवी (पत्नी स्व. श्री भीकचन्द्र भिक्को लाला) का गोलोकवास दिनांक 31.07.2026 को हो गया है। उठावनी दिनांक 02.08.2026 रविवार को महिलाओं एवं पुरुषों की सायं 4 से 5 बजे तक नैशनल चैम्बर ऑफ कोमर्स, सरस्वती कुंड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुलः- पंकज-साधना, राजीव-रूचि (पुत्र-पुत्रवधु)
शोभा-राजेश, अनीता-मुकेश, छाया-धर्मेन्द्र (पुत्री-दामाद)
श्रीमती सुमनलता, राकेश-सविता, संजय-डॉली (भतीजे-भतीजेवधु)
सौरभ-मनीषा, अंकुर-स्वेता, संकल्प-अंकिता
अमन, पार्थ, यश (पौत्र-पौत्रवधु) प्रिया-चिराग, पायल-रानू
(पौत्री-दामाद) मनुज-पायल, तनुज-सोनी, अनुज-टीना,
सुभम-गुंजन, सोहिल-मेघा, वाशु, माधव (धेवते-धेवतेवधु)

प्रतिष्ठान- जी. एम. ऑर्नामेंट्स,मण्डी रामदास, मथुरा
8941827171, 9837230215

मायका पक्ष- लक्ष्मी दालमिल हाथरस
पूरनचन्द, गोविन्दप्रसाद, मोहनचन्द (भ्राता)

10 वीं पुण्यतिथि पर बलिदानी बबलू को दी श्रद्धांजलि

शहीद बबलू सिंह के गांव में रखे टैंक के पास मौजूद रालोद नेता ठाकुर नरेंद्र सिंह और अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। फरह क्षेत्र के गांव झंडीपुर में शहीद बबलू सिंह की 10 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। शनिवार को कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को याद किया।

वक्ताओं ने कहा कि शहीदों का बलिदान देश कभी नहीं भूल सकता। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देश सेवा के लिए आगे आना चाहिए। वरिष्ठ रालोद नेता ठाकुर नरेंद्र सिंह ने कहा कि झंडीपुर का यह शहीद स्मारक पूरे भारत में अपनी तरह का अनोखा स्मारक है, जहां सेना का एक युद्धक टैंक स्थापित किया गया है। यह टैंक 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना की वीरता और दुश्मनों पर मिली जीत की याद दिलाता है।

इससे पहले सुबह पुण्यतिथि पर हवान और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें ग्रामीणों के अलावा पूर्व सैनिक, जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इब्जा मथुरा की नई कार्यकारिणी का गठन

व्यापारियों की समस्याओं पर रहेगा फोकस

यूनिक समय, मथुरा। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) मथुरा इकाई के नए सत्र के लिए पदाधिकारियों का गठन स्थानीय होटल में आयोजित बैठक में किया गया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल हाथी वाले ने की।

महासचिव चिराग अग्रवाल ने प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रभात अग्रवाल की सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में अनूप अग्रवाल और रितेश अग्रवाल को उपाध्यक्ष बनाया गया। सचिव पद पर मयंक अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, टोनी अग्रवाल और राजकुमार अग्रवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई। विनीत अग्रवाल को कोषाध्यक्ष और कपिल गोयल को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया।

नगर इकाइयों में वृंदावन के अध्यक्ष शरद अग्रवाल और सचिव गौरव अग्रवाल बनाए गए। तिलकद्वार क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप गर्ग और सचिव आदित्य अग्रवाल चुने गए, जबकि औरंगाबाद क्षेत्र के अध्यक्ष के रूप में ताराचंद अग्रवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि इब्जा देश का सबसे पुराना सराफा व्यापारियों का संगठन है, जो ज्वेलरी सेक्टर का प्रतिनिधित्व करता है। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रभात अग्रवाल ने कहा कि इब्जा देशभर में अपनी राज्य और जिला इकाइयों के माध्यम से छोटे और बड़े सभी व्यापारियों को साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाने का कार्य कर रही है। महासचिव चिराग अग्रवाल ने बताया कि जल्द ही मथुरा में प्रदेश स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सराफा व्यापारियों की समस्याओं, शस्त्र लाइसेंस और साहूकारी लाइसेंस से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

इब्जा के जिलाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल हाथी वाले, महासचिव चिराग अग्रवाल और संगठन के पदाधिकारी।

व्यापारियों की मांगों को लेकर सीएम के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

बैठक में सुमनेश अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, विनीत अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, शरद अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, माधव अग्रवाल, कपिल गोयल, दिलीप गर्ग, आदित्य अग्रवाल, मनोज अग्रवाल सहित अनेक सराफा व्यापारी उपस्थित रहे।

पीएम कल करेंगे नशा मुक्त अभियान का शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत द्वारा संचालित नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ दो अगस्त को होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुबह 10 बजे देशभर के युवाओं से वर्चुअल संवाद करेंगे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मथुरा जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों और प्रशिक्षण संस्थानों में कराया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम बीएसए डिग्री कॉलेज में आयोजित होगा। जिला युवा अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि यह अभियान ड्रग फ्री इंडिया 2047 के राष्ट्रीय विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी।

तमंचाधारी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैत पुलिस ने अभियुक्त पंकज निवासी गांव कोटा को मानवेंद्र नगर से जंगल की ओर जाने वाले रास्ते के समीप से गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके कब्जे से एक देशी तमंचा- कारतूस भी बरामद हुए हैं।

चाकूधारी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने शिव निवासी टेंपो स्टेंड वृंदावन को गंदी गली गौतमपाड़ा के समीप से एक अवैध चाकू रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

58 गांवों में स्वच्छता को जनसमर्थन 2,445 विद्यार्थियों ने किया श्रमदान

यूनिक समय, मथुरा। "हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है" और "प्लास्टिक मुक्त-ब्रज की रज" महाअभियान के तहत शनिवार को जनपद की 58 ग्राम पंचायतों में स्वच्छता-जनजागरूकता अभियान चलाया गया। तीर्थ, पर्यटन स्थलों और उनसे जुड़े प्रमुख मार्गों के गांवों में नोडल अधिकारियों की निगरानी में श्रमदान, डोर-टू-डोर जनसंपर्क, प्लास्टिक पृथक्करण और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

डीपीआरओ धनंजय जायसवाल ने बताया कि अभियान में विद्यालयों के 2,445 विद्यार्थियों ने श्रमदान किया। इस दौरान 5,673 परिवारों से घर पर ही कचरा पृथक्करण और स्वच्छता बनाए रखने के लिए सहमति पत्र भरवाए गए। वहीं 3,894 परिवारों ने प्लास्टिक कचरे का अलग-अलग संग्रह शुरू कर दिया है। ग्राम पंचायतों ने अब तक 1,892 किलोग्राम प्लास्टिक अपशिष्ट खरीदकर उसे रिसाइक्लिंग के लिए भेजा है। विकास खंड नौहझील में ग्राम प्रधान प्रशांत, पंचायत सचिव अमित कुमार और जिला समन्वयक पवन कुमार ने अभियान का नेतृत्व किया। विकास खंड सुरीर कला में पंचायत सचिव केशव देव, ग्राम प्रधान प्रियंका सिंह, प्रधान प्रतिनिधि गिर्राज सिंह, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सतीश चंद्र शर्मा की उपस्थिति में स्वच्छता अभियान संचालित किया गया।

बीएसए कॉलेज में यूनिक ताई कमांडो कप का शुभारंभ, 500 खिलाड़ी ले रहे भाग

यूनिक समय, मथुरा। यूनिक स्पोर्ट्स एकेडमी मथुरा, यूनाइटेड ताई कमांडो एसोसिएशन ऑफ इंडिया और क्रीड़ा भारती मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यूनिक ताई कमांडो कप-2026 का शुभारंभ शनिवार को बीएसए कॉलेज में हुआ।

प्रतियोगिता का उद्घाटन बीएसए कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा, क्रीड़ा भारती महानगर अध्यक्ष मानवेंद्र चौधरी, जिला संयोजक भूपेंद्र कुमार मिश्रा और शिवचरण लाल राठौर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं मुकाबलों का शुभारंभ कर किया। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, महाराष्ट्र, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, कर्नाटक, असम सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ी भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

यूनिक ताई कमांडो कप में जीतने के बाद खुशी जाहिर करते खिलाड़ी।

आयोजन सचिव योगेश राठौर ने बताया कि पहले दिन विभिन्न भार वर्गों के मुकाबले हुए। 22 किग्रा बालक वर्ग प्रथम- विराट (उत्तर प्रदेश), द्वितीय- लवेश (उत्तराखंड), तृतीय- प्रिंस (उत्तर प्रदेश) और राघव (राजस्थान)। 28 किग्रा बालिका वर्ग प्रथम- पूर्वी कुमारी (उत्तर प्रदेश), द्वितीय- माधवी (उत्तर प्रदेश), तृतीय- दृष्टि (उत्तराखंड) और सांझी (उत्तर प्रदेश)। 32 किग्रा बालिका वर्ग प्रथम- अवन्या (उत्तराखंड), द्वितीय- खुशी (उत्तर प्रदेश), तृतीय- मान्या (राजस्थान) और सौम्या चकमा (असम)। 36 किग्रा बालक वर्ग में प्रथम- नमन (उत्तर प्रदेश), द्वितीय- गौरव (उत्तर प्रदेश), तृतीय- दीपेश (राजस्थान) एवं ज्योतिष (उत्तराखंड)। 40 किग्रा बालक वर्ग प्रथम- पुनीत शर्मा (उत्तर प्रदेश), द्वितीय- प्रांजल (उत्तर प्रदेश), तृतीय- अनिक (उत्तर प्रदेश) एवं जीवांशु (उत्तर प्रदेश) 48 किग्रा बालक वर्ग प्रथम- आरव यादव (हरियाणा), द्वितीय- चैतन्य (उत्तर प्रदेश), तृतीय- प्रीतम (दिल्ली) एवं वंश (देहरादून) 72 किग्रा बालक वर्ग प्रथम- मनीष (उत्तर प्रदेश), द्वितीय- कार्तिक (पंजाब), तृतीय- दक्षवीर (राजस्थान) और गणेश ताती (असम)। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका कौशल राठौर, विकास कुमार, आलोक कुमार, सौम्य कुंतल एवं रोहित ने निभाई। इस अवसर पर हरगोविंद सिंह, शिवम सिंह, सुशांत कुमार, गोविंद कुमार, जयप्रकाश सिंह, गौरव गौड़, राकेश ठाकुर, अजय गुर्जर, सोनू पहलवान, शुभम शर्मा, शिवम गुप्ता, राम जवान सहित अनेक खेल प्रेमी-पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इंडस्ट्री 4.0 से स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग तक जीएलए के मैकेनिकल करियर की मजबूत नींव

यूनिक समय, मथुरा। वैश्विक औद्योगिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, 3डी प्रिंटिंग और इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग को पारंपरिक मशीनों की सीमाओं से आगे बढ़ाकर स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल इंजीनियरिंग के नए युग में पहुंचा दिया है। ऐसे दौर में जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा का मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग विद्यार्थियों को केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीकों के अनुरूप व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रदान कर रहा है।

प्रो. पियूष सिंघल

आज इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड वाहन, रोबोटिक्स, इंडस्ट्री 4.0, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), ग्रीन एनर्जी, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (3डी प्रिंटिंग) और स्मार्ट ऑटोमेशन जैसे क्षेत्रों में मैकेनिकल इंजीनियरों की मांग लगातार बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में बैटरी टेक्नोलॉजी, मोटर डिजाइन, थर्मल मैनेजमेंट, रोबोटिक्स, स्मार्ट फैक्ट्री, एयरोस्पेस, मेडिकल डिवाइस और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जीएलए विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने अपने पाठ्यक्रम को इंडस्ट्री 4.0 के अनुरूप विकसित किया है। विद्यार्थियों को पारंपरिक विषयों के साथ-साथ एआई इन मैन्युफैक्चरिंग, आईओटी फॉर इंजीनियर्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल सिस्टम्स, रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन और 3डी डिजाइन, 3डी प्रिंटिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का अध्ययन कराया जाता है। साथ ही उन्हें एएनएसवाईएस, सॉलिडवर्क्स, कैटिया, मैटलैब और ऑटोकैड जैसे अत्याधुनिक डिजाइन, सिमुलेशन सॉफ्टवेयर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। विभाग की विशेषता यह है कि विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष से ही उद्योगों की कार्यप्रणाली से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। नियमित इंडस्ट्रियल विजिट, उद्योग विशेषज्ञों के व्याख्यान, प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण और ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप के माध्यम से विद्यार्थियों को वास्तविक औद्योगिक वातावरण का अनुभव कराया जाता है। इससे उनमें तकनीकी दक्षता के साथ-साथ समस्या समाधान, नवाचार और टीमवर्क जैसी व्यावसायिक क्षमताओं का भी विकास होता है।

विभाग के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने 95 प्रतिशत से अधिक प्लेसमेंट का रिकॉर्ड कायम किया है। विभाग के विद्यार्थियों को अधिकतम 12 लाख रुपये वार्षिक पैकेज प्राप्त हुआ है। वहीं विभाग के अनेक पूर्व छात्र इसरो, डीआरडीओ, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स सहित विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थानों,उद्योगों में महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह विभाग की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योगों से मजबूत जुड़ाव का प्रमाण माना जाता है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी प्रो. पियूष सिंघल ने कहा कि आज का मैकेनिकल इंजीनियर केवल मशीनों का विशेषज्ञ नहीं, बल्कि एआई, ऑटोमेशन, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसी भविष्य की तकनीकों का भी जानकार होना चाहिए। विभाग का प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी तकनीकी रूप से दक्ष होने के साथ-साथ उद्योगों की वास्तविक चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम बने। इसी उद्देश्य से पाठ्यक्रम, प्रयोगशालाओं और प्रशिक्षण गतिविधियों को समय-समय पर आधुनिक तकनीकों के अनुरूप अपडेट किया जाता है।

जन्माष्टमी की तैयारियों में जुटा नगर निगम

जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर बैठक करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर नगर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। शनिवार को नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने नगर निगम कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने सभी विभागों को समय से काम पूरा करने और पिछले वर्षों से बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने कहा कि इस बार जन्माष्टमी पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सफाई, पेयजल, शौचालय, सड़क, रोशनी, पार्किंग,

नगर आयुक्त बोले- इस बार श्रद्धालुओं को मिलेंगी पहले से बेहतर सुविधाएं

ट्रैफिक और सुरक्षा की सभी व्यवस्थाएं पहले से पूरी कर ली जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रमुख मंदिरों और उनके आसपास विशेष सफाई कराने, शहर को आकर्षक बनाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित वॉल पेंटिंग कराने और प्रमुख स्थानों पर सजावट-फसाड लाइट लगाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्माण विभाग को जन्माष्टमी से पहले सभी प्रमुख सड़कों की मरम्मत कराने के लिए कहा।

विद्युत विभाग को सभी स्ट्रीट लाइट, हाईमास्ट और सेमी हाईमास्ट लाइटों को ठीक रखने और रात में कहीं भी अंधेरा न रहने देने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बिजली के पोलों पर इंसुलेटिव टेप लगाने को भी कहा गया।

जल विभाग को निर्देश दिए गए कि कहीं भी जलभराव या पेयजल की समस्या न हो। प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पेयजल टैंकर, प्याऊ और मोबाइल, शौचालय लगाए जाएं, उनकी नियमित साफ-सफाई कराई जाए। नगर आयुक्त ने मुख्य कर निर्धारण अधिकारी को 25 अगस्त तक सभी भंडारा संचालकों का पंजीकरण पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिक्रमण हटाने, बेसहारा गोवंश की व्यवस्था, 24 घंटे कंट्रोल रूम, चिकित्सा सुविधा, खोया-पाया केंद्र और प्रसाद वितरण जैसी व्यवस्थाओं के लिए भी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई।

नगर आयुक्त ने लंबित न्यायालय मामलों की समीक्षा की

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त ने शनिवार को नगर निगम मथुरा-वृंदावन के पैनल में नियुक्त अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों की समीक्षा की। बैठक में इलाहाबाद उच्च न्यायालय और मथुरा की सिविल अदालतों में विचाराधीन नगर निगम से जुड़े मामलों की प्रगति की जानकारी ली गई। बैठक में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा, पैनल अधिवक्ता महेश चंद्र चतुर्वेदी, धीरज लाल शर्मा, चंद्रपाल शर्मा सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

1500 वर्ग गज में लगाए जा रहे तीन हजार पौधे

ग्राम पंचायत शेरगढ़ में लाडली वन योजना के तहत रौपे गए पौधे।

यूनिक समय, शेरगढ़। तहसील छाता की ग्राम पंचायत शेरगढ़ में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाडली वन योजना के अंतर्गत 1500 वर्ग गज भूमि पर 3,000 पौधे लगाए जा रहे हैं।

ग्राम सचिव राजू सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में हरियाली बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना है। पौधरोपण कार्य निर्धारित योजना के अनुसार कराया जा रहा है, पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल की भी व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा लगाए जा रहे इन पौधों से भविष्य में पर्यावरण संतुलन मजबूत होगा और ग्रामीणों को स्वच्छ वातावरण का लाभ मिलेगा। ग्राम सचिव ने क्षेत्रवासियों से पौधों की सुरक्षा करने तथा अधिक से अधिक पौधारोपण में सहयोग करने की अपील भी की।

ग्राम पंचायत का यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल माना जा रहा है।

कांवड़ यात्रा को लेकर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

यूनिक समय, राया। सावन माह में कांवड़ यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए शनिवार को राया पुलिस ने कस्बे में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। हाथरस-मथुरा मार्ग और बल्देव मार्ग पर सड़क किनारे खड़े ठेले, रेहड़ी और नालियों के बाहर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया, ताकि कांवड़ियों और आम लोगों को जाम की समस्या से राहत मिल सके। थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और सड़क के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण को हटवाते हुए दुकानदारों और ठेला संचालकों को दोबारा अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी। बरेली हाईवे बनने के बाद भी राया कस्बे में जाम की समस्या समाप्त नहीं हो सकी है। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था सही रखने के लिए यह कार्रवाई की।

ट्रेन की चपेट में आकर दो युवकों की मौत

यूनिक समय,मथुरा। थाना राया क्षेत्र स्थित राया कट के समीप रेलवे लाइन पार करता एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं, आर्य समाज रेलवे फाटक के समीप से गुजरती रेलवे लाइन पर एक युवक ट्रेन की चपेट में आकर कट गया।

बताया गया कि राया पुलिस को सूचना मिली थी कि रात में एक युवक राया कट के समीप से गुजरने वाली रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आकर घायल हो गया। लोगों ने रेलवे लाइन के किनारे तड़पते युवक के बारे में पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर घायल युवक को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस के अनुसार, घायल युवक नगला विजयी निवासी 35 वर्षीय योगेश है। अस्पताल में इलाज के दौरान आज तड़के योगेश की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाली क्षेत्र स्थित शहर के आर्यसमाज रेलवे फाटक के समीप से गुजरती रेलवे लाइन के किनारे काफी स्थानीय लोग घूमते रहते हैं। बताया गया कि बाल्मीक बस्ती भरतपुर गेट का रहने वाला युवक अभिषेक (35) रेलवे लाइन पर ट्रेन से कट गया। ट्रेन से युवक के कट जाने का पता लगने पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हंसता आईना

उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ की नई कार्यकारिणी का गठन

यूनिक समय, वृंदावन। उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ के तत्वावधान में शनिवार को राधा निवास स्थित वाल्मीकि बस्ती में बैठक आयोजित की गई। संघ के प्रदेश अध्यक्ष महेश काजू के निर्देश पर वृंदावन जोन के अध्यक्ष छोटू चौहान ने संगठन की नई कार्यकारिणी की घोषणा की। नई कार्यकारिणी में धर्मेंद्र सरस को कार्यकारी अध्यक्ष, राजू आनंद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अशोक चौटाला को नगर उपाध्यक्ष, सतीश कुमार चंदेल को कोषाध्यक्ष, ज्वाला सिंह को नगर महासचिव, माधव प्रताप अनुरागी को यूनियन प्रवक्ता, राजकुमार को प्रचार मंत्री, विनय आनंद को संगठन मंत्री, सदानंद भारती को मीडिया प्रभारी, रिंकू खरे को लेखा परीक्षक, नेत्रपाल को उप मंत्री बनाया गया। इसके अलावा राजवीर, मानवेंद्र, विपिन, रंजीत, भगवान सिंह, प्रदीप, रोहित, उज्जैन पाल, सनोज हुड्डा बंटी और गब्बर को यूनियन का सदस्य मनोनीत किया गया। संचालन शरण आनंद, धर्मेश खरे ने किया।

नशामुक्त समाज के संकल्प के साथ अभियान का समापन

केडी मेडिकल कॉलेज में विजेता छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

विशेषज्ञों ने युवाओं से नशे से दूर रहने का किया आह्वान

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के मनोचिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित नशामुक्ति जागरूकता अभियान का समापन पारितोषिक वितरण समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं और भावी चिकित्सकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

नशामुक्ति जागरूकता अभियान के समापन कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

कार्यक्रम का शुभारंभ सीओ छाता भूषण वर्मा, औषधि निरीक्षक प्रेम प्रकाश पाठक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, उपकुलपति डॉ. गौरव सिंह, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, डीन-प्राचार्य डॉ. आरके अशोका और अभियान की समन्वयक डॉ. श्वेता सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत डॉ. गौरव सिंह और डॉ. श्वेता सिंह ने किया।

समन्वयक डॉ. श्वेता सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक, कला प्रतियोगिता, भाषण, क्विज और जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से तंबाकू, सिगरेट और अन्य मादक पदार्थों से दूर रहने का संदेश दिया। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता और उपविजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी-प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण अग्रवाल ने विद्यार्थियों से संवेदनशील चिकित्सक बनकर समाज को स्वस्थ बनाने का आह्वान किया। सीओ भूषण वर्मा ने कहा कि पुलिस केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि जनजागरूकता के माध्यम से नशामुक्त और सुरक्षित समाज बनाने का भी प्रयास कर रही है।

कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने कहा कि ऐसे अभियान लगातार चलते रहने चाहिए, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे। वहीं, औषधि निरीक्षक प्रेम प्रकाश पाठक ने बिना चिकित्सकीय पर्चे के प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री रोकने और नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। संचालन डॉ. विदुषी मक्कर और आभार प्रदर्शन डॉ. हेमंत शांडिल्य ने किया।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायविल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

बारिश के मौसम में तेजी से फैलता है आई फ्लू

ऐसे करें इस बीमारी से बचाव

यूनिक समय, मथुरा। बारिश के मौसम का लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि यह मौसम गर्मी से राहत देने का काम करता है। लेकिन बारिश का मौसम आते ही आंखों में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। मानसून में आंखों का खास ख्याल रखना चाहिए।

बारिश के मौसम का लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि यह मौसम गर्मी से राहत देने का काम करता है। लेकिन बारिश का मौसम आते ही आंखों में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

मानसून में आंखों का खास ख्याल रखना चाहिए। बता दें कि शहर के प्राइवेट और सरकारी अस्पतालों में आंखों के मरीजों में इजाफा हो रहा है। आंखों के रोग में सबसे ज्यादा आई फ्लू के मामले सामने आ रहे हैं। बारिश में वायरल इंफेक्शन फैलने का अधिक खतरा होता है। क्योंकि इस दौरान वातावरण में अधिक नमी होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आई फ्लू से बचने के लिए किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इंफेक्शन का खतरा: डॉ. आई स्पेशलिस्ट डा.मुकेश जैन ने बताया कि बारिश के मौसम में बैक्टीरियल संक्रमण से बचने के लिए खास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप बारिश में भीग गए हैं, तो आंखों को साफ पानी से धोएं। क्योंकि बारिश के पानी में धूल के कण पाए जाते हैं, जिसके कारण आंखों के इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। वहीं आंखों को धोने से बाद साफ कपड़े से पोछें। क्योंकि हर राज्य में आई फ्लू के मामले बढ़ रहे हैं।

इन बातों का रखें खास ख्याल

गंदे हाथों से आंखों को न छुएं। वहीं बार-बार बच्चों को आंखे मलने व छूने से रोकें। अगर आसपास आई फ्लू की आशंका लगे, तो साफ पानी से आंखें धोएं और ठंडे पानी से आंखों की सिकाई करें। अगर आप घर में किसी सदस्य के आई फ्लू की दवा डालते हैं, तो हाथों को साबुन से धोएं। आंखों में जलन, लाली और खुजली होने पर एक्सपर्ट की सलाह लें, लेकिन खुद आंखों में कोई दवा न डालें। इसके साथ ही डेली इस्तेमाल में आने वाली चीजें जैसे तौलिए आदि को अलग रखें और इनको किसी को इस्तेमाल न करने दें। वहीं अगर आप कॉन्टैक्ट लेंस का इस्तेमाल करते हैं, तो संक्रमण के दौरान इनका उपयोग न करें और एक्सपर्ट की सलाह लें। बारिश के मौसम में पानी से भरे गड्ढों व पोखरों आदि से बच्चों को दूर रखें। क्योंकि ज्यादातर इन्हीं जगहों पर बैक्टीरिया पनपते हैं।आई फ्लू से बचने के लिए ताजा खाना खाएं और साफ पानी का सेवन करें।

मिनटों में पाएं ग्लोइंग स्किन, बस शहद में मिलाएं यह एक चीज

यूनिक समय, मथुरा। ग्लोइंग स्किन की चाहत हर किसी की होती है लेकिन त्वचा को चमकदार बनाना काफी मुश्किल होता है। अगर आप भी ग्लोइंग स्किन चाहती हैं बस इन टिप्स को फॉलों करें।

खराब जीवनशैली और बढ़ते हुए पॉल्यूशन से त्वचा दिनों दिन बेजान हो जाती है और चेहरे की चमक कहीं खो जाती है। स्वस्थ त्वचा के लिए स्किन केयर करना काफी जरुरी है। शहद से स्किन के लिए सबसे बेहतर होता है। इसके यूज करने से आप त्वचा को सॉफ्ट और ग्लोइंग बना सकते हैं। शहद चेहरे को ढेरों फायदे हो सकते हैं। आइए जानते हैं शहद का इस्तेमाल कैसे करें।

पोषण तत्वों का भंडार : गौरतलब है कि शहद में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें प्रोटीन, कार्ब्स, फाइबर, कॉपर, सोडियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आइए शहद से स्किन को होने वाले फायदों के बार में जानते हैं।

दूध में मिलाकर लगाएं : अगर आप शहद में दूध मिलाकर चेहरे पर लगा ले। इसमें लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन के दाग-धब्बों को साफ करता है। यह कॉम्बिनेशन स्किन के लिए नेचुरल क्लींजर का काम करता है। इससे आपकी स्किन एकदम खिली-खिली नजर आएगी।

केले मिलाकर लगाएं : चेहरे पर आप शहद और केला मिलाकर लगा सकते हैं। इसके चमत्कारिक रिजल्ट आपको देखने को मिलेगा। इससे पिंपल्स, झुर्रियां और डार्क स्पॉट्स को दूर करने में मदद मिलती है। इस पैक को चेहरे पर लगाने से त्वचा की रंगत में सुधार होता है।

गुलाब जल के साथ लगाएं : आप शहद और गुलाब जल को मिलाकर भी चेहरे पर लगा सकते हैं। गुलाब जल त्वचा में ठंडक पहुंचाता है। इससे डेड स्किन सेल्स को साफ किया जा सकता है। इसको लगाने से त्वचा से एक्ने, दाग-धब्बे और डार्क स्पॉट्स से छुटकारा मिल सकता है।

दही में मिलाकर लगाएं : शहद को दही के साथ मिक्स करके भी लगा सकते हैं। इससे स्किन के पिंपल्स, झुर्रियों और टैनिंग से छुटकारा मिलेगा। यह मिश्रण चेहरे की ड्राईनेस दूर करता है।

सुबह नाश्ते में खाएं उबला चना मूंग और मोठ, स्वाद ऐसा की बार-बार खाएंगे

यूनिक समय, मथुरा। सुबह नाश्ते में हेल्दी खाना है तो चना, मूंग और मोठ की दाल को उबालकर टेस्टी स्प्राउट बना लें। इसमें पनीर और कुछ सब्जियां डालकर इसके स्वाद को और भी मजेदार बनाया जा सकता है। जानिए स्प्राउट्स बनाने की विधि।

वजन घटाने के प्लान हो या फिर हेल्दी रहने की तैयारी, डाइट में सबसे पहले स्प्राउट्स शामिल करें। नाश्ते में चना, मूंग और मोठ की दाल से स्प्राउट्स तैयार कर सकते हैं। हालांकि बहुत सारे लोगों को स्प्राउट्स खाना बोरियत भरा लगता है। कच्चे स्प्राउट्स को पचाना भी कई बार मुश्किल हो जाता है। इसके लिए स्प्राउट्स को उबालकर टेस्टी बनाया जा सकता है। आप मूंग, चना और मोठ को एक एक मुट्ठी लेकर रात में भिगो दें और सुबह इन्हें उबालकर स्वादिष्ट स्प्राउट्स बनाकर खा सकते हैं। एक बार इस तरह स्प्राउट्स खाएंगे तो फिर रोज बनाकर खाने के मन करेगा। जानिए उबले हुए स्प्राउट्स को कैसे स्वादिष्ट बनाते हैं?

उबले चना, मूंग और मोठ से बनाएं स्वादिष्ट स्प्राउट्स

सबसे पहले 1-1 मुट्ठी चना, मूंग और मोठ को मिक्स करके रातभर पानी में भिगो दें। सुबह साफ पानी से इन्हें धो लें और कुकर में 1 कप पानी डालकर उबालने के लिए रख दें। स्प्राउट्स को 1-2 सीटी से ज्यादा नहीं उबलना है नहीं तो ये दाल की तरह गल जाते हैं। अब ठंडा होने पर स्प्राउट्स को छानकर पानी निकाल दें और अब इसके लिए सब्जियां काट लें। उबले स्प्राउट्स में 1 छोटी बारीक कटी प्याज, 1 टमाटर, 1 हरी मिर्च, हरा धनिया काटकर मिक्स कर दें। अब कच्चा पनीर लें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर मिक्स कर दें। स्प्राउट्स में 1 नींबू का रस, काला नमक, चाट मसाला, चुटकीभर लाल मिर्च मिला दें। आप चाहें तो स्प्राउट्स में भीगी किशमिश या फिर नट्स भी मिला सकते हैं। इसमें अनार और सेब के बारीक कटे हुए टुकड़े भी डालकर खा सकते हैं। ये स्प्राउट्स इतने टेस्टी लगते हैं कि एक बार बनाकर खाएं तो बार-बार यही खाने का मन करेगा। सबसे खास बात ये है इस तरह का स्प्राउट खाने में बहुत टेस्टी लगता है और इससे वजन भी कम होता है।

भागदौड़ से जल्दी पाएं छुटकारा, फ्राइडे जाकर संडे वापस आएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में रहना, जहाँ हमेशा भागदौड़ रहती है, थका देने वाला हो सकता है। सौभाग्य से, यहाँ कई शांत और मनोरम वीकेंड गेटअवे हैं जो शहर की अराजकता से बचने का एक बेहतरीन विकल्प हैं। ये गंतव्य दिल्ली से बहुत दूर नहीं हैं।

दिल्ली में रहना, जहाँ हमेशा भागदौड़ रहती है, थका देने वाला हो सकता है। सौभाग्य से, यहाँ कई शांत और मनोरम वीकेंड गेटअवे हैं जो शहर की अराजकता से बचने का एक बेहतरीन विकल्प हैं। ये गंतव्य दिल्ली से बहुत दूर नहीं हैं। बल्कि 2-3 दिन में आप यहां पर जाकर शांति से रह सकते हैं। फ्राइडे नाइट जाकर और संडे वापस आ सकते हैं।

जयपुर: ऐसी ही एक जगह है जयपुर, जिसे गुलाबी शहर के नाम से भी जाना जाता है। दिल्ली से लगभग 280 किलोमीटर दूर स्थित जयपुर इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला का खजाना है।

यह शहर अपने राजसी किलों और महलों, जैसे कि अंबर किला, सिटी पैलेस और हवा महल के लिए प्रसिद्ध है। जयपुर की यात्रा शाही विरासत और जीवंत स्थानीय बाजारों का मिश्रण प्रदान करती है, जहाँ आप पारंपरिक राजस्थानी शिल्प और वस्त्रों की खरीदारी कर सकते हैं। शहर का समृद्ध इतिहास और रंगीन वातावरण इसे एक बेहतरीन वीकेंड गेटअवे बनाता है।

आगरा : एक और शानदार विकल्प आगरा है, जहाँ प्रतिष्ठित ताजमहल स्थित है। दिल्ली से लगभग 230 किलोमीटर दूर स्थित आगरा मुगल इतिहास से भरा शहर है। दुनिया के सात अजूबों में से एक ताजमहल अपनी लुभावनी सुंदरता और वास्तुकला की चमक के लिए ज़रूर जाना चाहिए।

ताजमहल के अलावा, आगरा में आगरा किला और फतेहपुर सीकरी जैसे अन्य ऐतिहासिक चमत्कार भी हैं। आगरा की यात्रा भारत के समृद्ध इतिहास को जानने और इसके कुछ सबसे शानदार स्मारकों को देखने का मौका देती है।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क: जो लोग ज्यादा शांत और प्रकृति-केंद्रित छुट्टी पसंद करते हैं, उनके लिए जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क एक बेहतरीन विकल्प है। दिल्ली से लगभग 250 किलोमीटर दूर स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान वन्यजीव उत्साही और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग है। यह पार्क राजसी बंगाल टाइगर सहित वनस्पतियों और जीवों की विविध प्रजातियों का घर है। आगंतुक रोमांचकारी जीप सफारी पर जा सकते हैं, पार्क के हरे-भरे जंगलों की खोज कर सकते हैं और रामगंगा नदी की शांत सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क प्रकृति के बीच रोमांच और विश्राम का एक आदर्श मिश्रण प्रदान करता है।

अंत में, ये वीकेंड गेटअवे दिल्ली की व्यस्त जिंदगी से एक ताज़गी भरा ब्रेक देते हैं। चाहे आप जयपुर की शाही विरासत को देखना चाहें, आगरा की वास्तुकला के अजूबों को देखना चाहें या जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क की प्राकृतिक खूबसूरती में डूब जाना चाहें, हर जगह एक अनोखा और यादगार अनुभव देने का वादा करता है। तो, अपना बैग पैक करें और शहर की हलचल को पीछे छोड़कर कुछ दिनों के लिए शांति और रोमांच के लिए आराम और तरोताजा होने के लिए एक त्वरित यात्रा पर निकल पड़ें।

अमृतसर : अमृतसर पंजाब के मध्य में एक प्रमुख वाणिज्यिक और सांस्कृतिक केंद्र है। यह शहर सिख धर्म का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है और हरमंदिर साहिब का घर है, जिसे स्वर्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। वाघा सीमा भी है जहां परेड है। साथ ही खाने की काफी अच्छी चीजें हैं। यहां की हरियाली खेल खलिहान आपका मन मोह लेगी। 1919 में अमृतसर नरसंहार के स्थल जलियांवाला बाग भी यहीं पर हैं।

सुविचार

अंधेरों से मत डरो
छोटे दीपक भी
उजाला कर जाते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्थी 11:07-11:05 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तरभाद्रपदा 09:37-10:00 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय	5:47 AM	चन्द्रोदय	09:18 PM
सूर्यास्त	7:03 PM	चंद्रास्त	09:51 AM
सूर्य राशि	कर्क राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त	11:59AM –12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	05:24 PM: 07:03 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। निवेश सोच–समझकर करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, यात्रा लाभदायक होगी।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। धैर्य बनाए रखें, लाभ मिलेगा।

मिथुन: नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। नौकरी में प्रगति होगी। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। खर्च नियंत्रित रखें। परिवार के साथ समय सुखद बीतेगा।

कर्क: मन प्रसन्न रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। प्रियजनों से शुभ समाचार मिलेगा।

सिंह: कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा। अधिकारियों का सहयोग रहेगा। निवेश लाभ देगा। अनावश्यक विवादों से बचें। जीवनसाथी का साथ मनोबल बढ़ाएगा।

कन्या: योजनाएं सफल होंगी। व्यापार में लाभ मिलेगा। परिवार में खुशियां आएंगी। सेहत का ध्यान रखें।

तुला: आर्थिक लाभ के योग बनेंगे। रिश्तों में मधुरता आएगी। नए अवसर मिलेंगे। यात्रा शुभ रहेगी।

वृश्चिक: मेहनत का पूरा फल मिलेगा। रुके कार्य गति पकड़ेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। करियर में उन्नति होगी। धार्मिक यात्रा संभव है। खर्च बढ़ सकता है।

मकर: व्यापार में सफलता मिलेगी। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। परिवार में सुख–शांति रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुंभ: नए संपर्क लाभ देंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। निवेश में सावधानी रखें। मानसिक शांति बनी रहेगी।

मीन: रुका धन मिलने की संभावना है। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। नई योजनाएं लाभ देंगी।

सावन के सोमवार का व्रत पुरुषों के लिए भी माना गया है शुभ

शिव पार्वती आराधना से दूर होती हैं विवाह बाधाएं

सात्विक जीवन और श्रद्धा से मिलता है शुभ वैवाहिक आशीर्वाद

यूनिक समय, मथुरा। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव की उपासना के लिए सबसे शुभ माना जाता है। आमतौर पर यह धारणा प्रचलित है कि सावन सोमवार का व्रत केवल अविवाहित युवतियां मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए करती हैं, लेकिन धार्मिक मान्यताओं और शिव पुराण के अनुसार अविवाहित युवक भी योग्य जीवनसंगिनी की कामना के लिए यह व्रत रख सकते हैं। विद्वानों का मानना है कि भगवान शिव और माता पार्वती आदर्श दांपत्य जीवन के प्रतीक हैं। इसलिए जो युवक विवाह में आ रही बाधाओं को दूर करना चाहते हैं या सुखी वैवाहिक जीवन की कामना रखते हैं, उनके लिए भी सावन सोमवार का व्रत अत्यंत फलदायी माना गया है। श्रद्धा, संयम और नियमपूर्वक किया गया यह व्रत भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ माध्यम माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार व्रत के दिन प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करने के बाद भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त पूजा करनी चाहिए। शिवलिंग का गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी और शक्कर से अभिषेक कर बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत और सफेद पुष्प अर्पित करना शुभ माना जाता है। पूजन के दौरान 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का 108 बार जप करने, शिव चालीसा, रुद्राष्टक अथवा शिव महिम्न स्तोत्र का पाठ करने का विशेष महत्व बताया गया है। व्रत के दिन सात्विक आहार ग्रहण करें या अपनी क्षमता के अनुसार फलाहार अथवा निराहार व्रत रखें। साथ ही क्रोध, असत्य, नशा, तामसिक भोजन और किसी का अपमान करने से बचने की सलाह दी जाती है। धार्मिक मान्यता है कि मन, वचन और कर्म की पवित्रता के साथ की गई शिव–पार्वती की आराधना से विवाह में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं तथा योग्य जीवनसंगिनी प्राप्त होने का मार्ग प्रशस्त होता है। हालांकि, इसका फल व्यक्ति की श्रद्धा, विश्वास और सदाचार पर आधारित माना गया है। सावन सोमवार का व्रत केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मसंयम, सकारात्मक सोच और आदर्श जीवन मूल्यों को अपनाने का भी संदेश देता है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

घर में ऐसी राधा–कृष्ण की तस्वीर रखने से बचें

धार्मिक ग्रंथ बताते हैं किन चित्रों से करें परहेज

राधा कृष्ण सदैव साथ हों यही शुभ माना जाता है

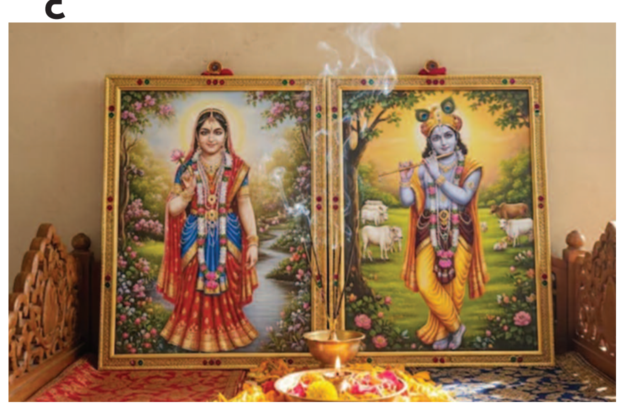

यूनिक समय, मथुरा। सनातन धर्म में घर के मंदिर में देवी–देवताओं की प्रतिमा और चित्र स्थापित करने की परंपरा सदियों पुरानी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उचित स्वरूप में स्थापित प्रतिमाएं और चित्र घर में सकारात्मक ऊर्जा, सुख–समृद्धि और आध्यात्मिक वातावरण बनाए रखने में सहायक माने जाते हैं। वहीं, शास्त्रों में कुछ विशेष प्रकार की मूर्तियों और चित्रों को घर में न रखने की सलाह भी दी गई है। धार्मिक विद्वानों के अनुसार अग्नि पुराण, गरुड़ पुराण और अन्य ग्रंथों में टूटी-फूटी या क्षतिग्रस्त मूर्तियों को घर में रखना उचित नहीं माना गया है। ऐसी प्रतिमाओं के क्षतिग्रस्त होने पर उन्हें सम्मानपूर्वक किसी पवित्र जलधारा में विसर्जित करने की परंपरा बताई गई है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घर के मंदिर में राधा और श्रीकृष्ण की अलग–अलग प्रतिमाएं या चित्र रखने के बजाय उन्हें एक साथ स्थापित करना अधिक शुभ माना जाता है। उनका संयुक्त स्वरूप प्रेम, समर्पण, सामंजस्य और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक माना जाता है। इसी प्रकार उग्र स्वरूप वाली देवी काली, काल भैरव अथवा तांडव मुद्रा में भगवान शिव के नटराज स्वरूप की प्रतिमाओं को सामान्य गृह मंदिर में स्थापित करने से पहले योग्य विद्वान से परामर्श लेने की सलाह दी जाती है। धार्मिक आस्थाओं के अनुसार पूजा स्थल में सौम्य और शांत स्वरूप वाले देवी–देवताओं के चित्र घर के वातावरण में सकारात्मकता बनाए रखने में सहायक माने जाते हैं। हालांकि, ये सभी मान्यताएं धार्मिक परंपराओं और शास्त्रीय विश्वासों पर आधारित हैं तथा इन्हें श्रद्धा और व्यक्तिगत आस्था के संदर्भ में ही देखा जाना चाहिए।

मणिकर्णिका घाट पर डोमराज परिवार निभाता है सदियों पुरानी परंपरा

भगवान शिव की कथा से जुड़ी है अनोखी धार्मिक मान्यता

डोमराज वंश आज भी निभा रहा है अंतिम संस्कार की परंपरा

यूनिक समय, मथुरा। वाराणसी का मणिकर्णिका घाट हिंदू धर्म में मोक्ष का द्वार माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यहां चिताओं की अग्नि कभी शांत नहीं होती और दिन–रात अंतिम संस्कार का क्रम चलता रहता है। पौराणिक कथा के अनुसार, काशी भ्रमण के दौरान माता पार्वती का कुंडल मणिकर्णिका क्षेत्र में गिर गया था, जिसे कालू नामक व्यक्ति ने उठा लिया। भगवान शिव के क्रोधित होने पर उसने कुंडल लौटाकर क्षमा मांगी।

धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव ने कालू को क्षमा कर श्मशान में अंतिम संस्कार कराने का दायित्व सौंपते हुए 'डोमराज' की उपाधि दी। तभी से उनके वंशज मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर मुखाग्नि देने की परंपरा निभा रहे हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि काशी में अंतिम संस्कार होने पर भगवान शिव स्वयं तारक मंत्र देकर आत्मा को मोक्ष का मार्ग प्रदान करते हैं। यही कारण है कि देशभर से लोग अंतिम संस्कार और मोक्ष की कामना लेकर वाराणसी पहुंचते हैं। यह मान्यता धार्मिक आस्था और पौराणिक परंपराओं पर आधारित है।

सावन में झूला परंपरा है प्रेम और आस्था का प्रतीक

शिव पार्वती की कथा से जुड़ी है झूला परंपरा

राधा कृष्ण का प्रेम झलकता है झूला उत्सव में

यूनिक समय, मथुरा। सावन का महीना केवल भगवान शिव की आराधना का ही नहीं, बल्कि प्रेम, सौहार्द और पारिवारिक सुख–समृद्धि का भी प्रतीक माना जाता है। हरियाली से भरपूर इस पावन मास में मंदिरों और घरों में झूले सजाने तथा झूला झूलने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव ने सावन के दौरान माता पार्वती के लिए स्वयं झूला सजाया और उन्हें प्रेमपूर्वक झुलाया था। इसी घटना के बाद से सावन में झूला झूलने की परंपरा शुभ मानी जाने लगी। मान्यता है कि इस माह भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के साथ झूला उत्सव मनाने से दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ता है और परिवार में सुख–शांति बनी रहती है। सावन की ठंडी हवाएं, हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य इस परंपरा को और भी आनंदमय बना देते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने भी सावन मास में राधारानी को प्रेमपूर्वक झूला झुलाया था। तभी से ब्रज क्षेत्र सहित देशभर के मंदिरों में झूलनोत्सव मनाने की परंपरा प्रचलित है। मथुरा–वृंदावन के मंदिरों में ठाकुरजी और राधारानी को आकर्षक फूलों से सजे झूलों में विराजमान कर श्रद्धालु दर्शन करते हैं। मान्यता है कि सावन में झूला झूलने से परिवार में प्रेम, एकता और आपसी सामंजस्य बढ़ता है। सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर झूला झूलती हैं, जबकि कुंवारी कन्याएं मनचाहा जीवनसाथी मिलने की कामना करती हैं। धार्मिक विद्वानों का कहना है कि प्रकृति के बीच झूला झूलने से मन प्रसन्न रहता है, तनाव कम होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यही कारण है कि सावन का झूला उत्सव केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, प्रकृति और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने वाला सांस्कृतिक पर्व भी माना जाता है। विशेषकर ब्रज में यह उत्सव भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

सम्पादकीय

शिक्षक चयन में संवेदनशीलता की परीक्षा भी जरूरी

स्कूल को आज भी ज्ञान का मंदिर कहा जाता है, लेकिन कभी–कभी लगता है कि कुछ मंदिरों में घंटी की जगह अहंकार और संस्कार की जगह सनक की पूजा होने लगी है। हाल ही में एक स्कूल में बच्चे को सजा के तौर पर मां की गाली सौ–सौ बार लिखने का आदेश दिया गया। सोचिए, जिस शिक्षक का काम बच्चों की भाषा सुधारना है, वही अपशब्दों की कॉपी जांचने बैठ जाए तो शिक्षा का भविष्य ब्लैकबोर्ड से ज्यादा ब्लैक ह्यूमर जैसा लगने लगता है। बच्चे स्कूल इसलिए नहीं भेजे जाते कि वे गालियों की लिखावट सुंदर करें। माता–पिता यह भरोसा लेकर स्कूल का दरवाजा खटखटाते हैं कि वहां उनका बच्चा पढ़ेगा, समझेगा, संस्कार सीखेगा और गलतियों से सीखने का अवसर पाएगा। लेकिन यदि गलती सुधारने के नाम पर शिक्षक ही बच्चों के आत्मसम्मान को दंडित करने लगें, तो फिर शिक्षा और प्रतिशोध के बीच का फर्क मिटने लगता है। विडंबना यह है कि शिक्षक बनने की दौड़ में डिग्रियों की जांच तो बारीकी से होती है, लेकिन धैर्य, संवेदनशीलता और व्यवहार की परीक्षा अक्सर छूट जाती है। मानो नियुक्ति का विज्ञापन कहता हो– "गणित पढ़ाना आता हो, गुस्सा जितना चाहे लाना आता हो।" जबकि सच्चाई यह है कि बच्चों को पढ़ाने से पहले शिक्षक को स्वयं मनुष्य बने रहना सीखना पड़ता है। हर बच्चा अलग स्वभाव लेकर आता है। कोई शरारती होता है, कोई जिद्दी, कोई भावुक। शिक्षक की असली परीक्षा किताब खत्म करने में नहीं, बल्कि बच्चे का विश्वास बचाए रखने में होती है। एक कटु शब्द कई बार वर्षों तक मन में चुभा रहता है, जबकि एक प्रेरक वाक्य पूरी जिंदगी की दिशा बदल सकता है। अब समय आ गया है कि शिक्षक भर्ती प्रक्रिया केवल लिखित परीक्षा और साक्षात्कार तक सीमित न रहे। मनोवैज्ञानिक परीक्षण, भावनात्मक परिपक्वता, संवाद क्षमता और बच्चों के प्रति दृष्टिकोण को भी उतना ही महत्व मिले। आखिर डॉक्टर के हाथ में मरीज की जान होती है और शिक्षक के हाथ में आने वाली पीढ़ी का भविष्य। शिक्षा व्यवस्था को यह समझना होगा कि डिग्री ज्ञान का प्रमाण हो सकती है, लेकिन संवेदनशीलता का नहीं। जिस दिन शिक्षक चुनते समय अंकपत्र के साथ चरित्र, व्यवहार और करुणा का भी मूल्यांकन होने लगेगा, उस दिन स्कूलों में गालियां नहीं, मुस्कानें लिखी जाएंगी। तभी ज्ञान का मंदिर सचमुच संस्कारों का विद्यालय बन सकेगा।

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

वर्दी का सम्मान बचाना है तो व्यवस्था बदलिए

बोध प्रकाश सगुणी

देश में पुलिस को कानून का सबसे मजबूत प्रहरी माना जाता है। आम नागरिक जब किसी संकट में होता है तो सबसे पहले पुलिस को ही याद करता है। वर्दी केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं होती, बल्कि वह राज्य की शक्ति, कानून की गरिमा और जनता के विश्वास का प्रतीक होती है। लेकिन जब उसी वर्दी के भीतर से भ्रष्टाचार, लेन–देन और पोस्टिंग की बोली लगने जैसी बातें सामने आने लगें तो सवाल केवल किसी एक पुलिसकर्मी या अधिकारी पर नहीं उठता, बल्कि पूरी व्यवस्था कठघरे में खड़ी दिखाई देती है। हाल में उत्तर प्रदेश पुलिस के एक सिपाही द्वारा लगाए गए आरोपों ने फिर वही पुराना प्रश्न खड़ा कर दिया है–क्या व्यवस्था ईमानदार लोगों के लिए आसान है या भ्रष्टाचार के आगे मजबूर?

व्यंग्य यही है कि पुलिस भर्ती में दौड़ सबसे तेज लगानी पड़ती है, लेकिन नौकरी मिलने के बाद कई जगह दौड़ पोस्टिंग, सुविधा और "सेटिंग" की शुरू हो जाती है। लगता है जैसे सेवा पुस्तिका के साथ एक अदृश्य "रेट लिस्ट" भी मिलती हो, जिसमें लिखा हो–धूप वाली ड्यूटी अलग, छांव वाली अलग और मलाईदार पोस्टिंग का मूल्य अलग। यदि आरोप सही हैं तो यह स्थिति किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। यदि आरोप गलत हैं तो फिर उन्हें तथ्यों के साथ खारिज करना भी उतना ही जरूरी है। दोनों ही परिस्थितियों में सच्चाई सामने आनी चाहिए।

सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि कई पुलिसकर्मियों ने कैमरे पर यह स्वीकार किया कि ड्यूटी और पोस्टिंग में लेन–देन की परंपरा नई नहीं है। यदि वास्तव में नीचे से ऊपर तक पैसों का प्रवाह होता है तो यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की जड़ों को कमजोर करने वाला अपराध है। जिस पुलिसकर्मी ने अपनी पहली कमाई पोस्टिंग के लिए खर्च की हो, उससे आम नागरिक यह उम्मीद कैसे करे कि वह बिना किसी स्वार्थ के कानून का पालन कराएगा? भ्रष्टाचार की पहली सीढ़ी ही आगे चलकर बड़े अपराधों का रास्ता खोलती है।

विडंबना यह भी है कि हर पुलिसकर्मी भ्रष्ट नहीं होता। हजारों अधिकारी और जवान ऐसे हैं जो कठिन परिस्थितियों में भी ईमानदारी से सेवा करते हैं। बाढ़ हो, दंगा हो, दुर्घटना हो या महामारी–सबसे पहले वही मैदान में दिखाई देते हैं। अनेक पुलिसकर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की सुरक्षा करते हैं। इसलिए कुछ लोगों की कथित करतूतों का दाग पूरी पुलिस पर लगाना भी उचित नहीं होगा। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि कुछ खराब उदाहरण पूरे विभाग की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा देते हैं। दूध के एक बर्तन में नींबू की एक बूंद भी पूरे स्वाद को बदल देती है।

व्यवस्था की सबसे बड़ी कमजोरी तब सामने आती है, जब ईमानदार व्यक्ति खुद को अकेला महसूस करने लगता है। यदि किसी कर्मचारी को यह लगने लगे कि बिना रिश्वत दिए उसकी सुनवाई नहीं होगी, तो उसका मनोबल टूटना स्वाभाविक है। यही कारण है कि कई बार अच्छे लोग भी चुप रहना बेहतर समझते हैं। भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी ताकत रिश्वत नहीं, बल्कि ईमानदार लोगों की मजबूर चुप्पी होती है।

आज तकनीक के युग में पारदर्शिता बढ़ाना पहले से कहीं आसान है। पोस्टिंग, ड्यूटी आवंटन, अवकाश स्वीकृति, चिकित्सा प्रतिपूर्ति और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटल बनाया जा सकता है। यदि हर आदेश ऑनलाइन दर्ज हो, हर स्थानांतरण का कारण सार्वजनिक हो और हर शिकायत की समयबद्ध जांच हो, तो मनमानी की गुंजाइश काफी कम हो जाएगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल निगरानी के इस दौर में यदि फाइलें अभी भी "सेटिंग" से चलें तो यह तकनीक की नहीं, नीयत की विफलता होगी।

एक और महत्वपूर्ण पहलू पुलिसकर्मियों के कार्य वातावरण का भी है। लंबे समय तक ड्यूटी, सीमित अवकाश, मानसिक तनाव और संसाधनों की कमी कई बार उनके व्यवहार को प्रभावित करती है। यदि सरकार बेहतर कार्य परिस्थितियां, पर्याप्त स्टाफ, मनोवैज्ञानिक परामर्श और पारदर्शी पदोन्नति व्यवस्था सुनिश्चित करे तो विभाग का वातावरण भी सकारात्मक बन सकता है। सुधार केवल दंड से नहीं, बल्कि बेहतर प्रशासन से भी आते हैं।

व्यंग्य यह है कि आम नागरिक पुलिस को देखकर कहता है–"साहब आ गए।" लेकिन यदि पुलिसकर्मी खुद किसी साहब से डरकर काम करे तो फिर व्यवस्था का असली मालिक कौन है? लोकतंत्र में कानून सबसे ऊपर होना चाहिए, न कि व्यक्ति। वर्दी का सम्मान आदेश से नहीं, आचरण से मिलता है। ईमानदार अधिकारी अपने अधीनस्थों से डर नहीं, बल्कि विश्वास का रिश्ता बनाते हैं। ऐसे अधिकारियों के उदाहरण भी कम नहीं हैं, जिनकी निष्पक्षता और सादगी आज भी पुलिस सेवा की पहचान मानी जाती है।

इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि आरोपों को केवल वायरल वीडियो मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि आरोप सही हैं तो निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यदि आरोप निराधार हैं तो तथ्य सार्वजनिक कर विभाग की छवि साफ की जानी चाहिए। आधे सच और आधे झूठ के बीच सबसे अधिक नुकसान जनता के विश्वास का होता है।

आखिरकार, पुलिस व्यवस्था केवल कानून लागू करने वाली संस्था नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रीढ़ है। यदि रीढ़ ही कमजोर हो जाएगी तो न्याय व्यवस्था का संतुलन भी डगमगाने लगेगा। इसलिए अब समय आ गया है कि पोस्टिंग की पारदर्शी व्यवस्था, भ्रष्टाचार पर शून्य सहनशीलता, शिकायतों की स्वतंत्र जांच और ईमानदार पुलिसकर्मियों को संरक्षण जैसी नीतियां मजबूती से लागू हों। वर्दी पर लगे हर दाग को केवल भाषणों से नहीं, बल्कि ईमानदार सुधारों से मिटाना होगा। क्योंकि जनता पुलिस से डरना नहीं, उस पर भरोसा करना चाहती है–और यही भरोसा किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत होता है।

विचार विंडो

स्मार्ट बोर्ड तभी सफल,जब बदले शिक्षण सोच भी

राम प्रकाश वर्मा

शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक का प्रवेश केवल आधुनिकता का प्रतीक नहीं, बल्कि सीखने और सिखाने की पूरी प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रोचक और परिणामोन्मुख बनाने का माध्यम है। इसी सोच के साथ देशभर के सरकारी और निजी विद्यालयों में करोड़ों रुपये खर्च कर स्मार्ट बोर्ड लगाए गए। उम्मीद थी कि इनकी मदद से कक्षाएं अधिक संवादात्मक बनेंगी, विद्यार्थियों की रुचि बढ़ेगी और शिक्षक कम समय में अधिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे सकेंगे। लेकिन आज अनेक विद्यालयों की स्थिति यह है कि स्मार्ट बोर्ड भी पुराने ब्लैकबोर्ड की तरह ही उपयोग किए जा रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल उपकरण खरीद लेना शिक्षा में बदलाव की गारंटी नहीं है।

स्मार्ट बोर्ड का उद्देश्य केवल लिखने का नया माध्यम उपलब्ध कराना नहीं था। यह तकनीक वीडियो, एनीमेशन, डिजिटल चित्र, लाइव प्रस्तुति, ऑनलाइन सामग्री, इंटरैक्टिव क्विज और त्वरित जानकारी के माध्यम से पढ़ाई को अधिक जीवंत बनाने के लिए विकसित की गई है। यदि शिक्षक इन सभी सुविधाओं का उपयोग करें तो कठिन विषय भी विद्यार्थियों को सरल और रोचक लग सकते हैं। विज्ञान, गणित, भूगोल और इतिहास जैसे विषयों को दृश्य माध्यम से समझाना पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो जाता है।

दुर्भाग्य यह है कि कई शिक्षण संस्थानों में स्मार्ट बोर्ड केवल महंगे व्हाइट बोर्ड बनकर रह गए हैं। शिक्षक उन पर केवल लिखने तक सीमित हैं या पहले की तरह पारंपरिक पद्धति से पढ़ा रहे हैं। कई बार तो डिजिटल प्रस्तुति रोककर केवल खाली स्क्रीन पर लिखना शुरू कर दिया जाता है, जबकि उसी प्रस्तुति पर टिप्पणी जोड़ने जैसी सुविधाएं पहले से मौजूद होती हैं। यह स्थिति बताती है कि तकनीक उपलब्ध होने के बावजूद उसका प्रभावी उपयोग नहीं हो पा रहा है।

इस समस्या का सबसे बड़ा कारण केवल शिक्षकों की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था की कमजोर तैयारी भी है। अनेक विद्यालयों में इंटरनेट की गति धीमी रहती है या कई बार बिल्कुल उपलब्ध नहीं होती। बिजली की अनियमित आपूर्ति भी डिजिटल शिक्षा की राह में बड़ी बाधा बनती है। ऐसे में शिक्षक चाहकर भी वीडियो या ऑनलाइन सामग्री का उपयोग नहीं कर पाते। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और बरसात के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

तकनीकी संसाधनों के साथ सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता नियमित शिक्षक प्रशिक्षण की है। नई तकनीक तभी सफल होती है, जब उसका उपयोग करने वाले लोग उसके सभी पहलुओं से परिचित हों। यदि शिक्षक केवल बोर्ड ऑन और ऑफ करना जानते हैं, लेकिन उसकी इंटरैक्टिव सुविधाओं का उपयोग नहीं कर पाते, तो करोड़ों रुपये का निवेश अपेक्षित परिणाम नहीं देगा। इसलिए प्रत्येक विद्यालय में समय–समय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

एक और महत्वपूर्ण पहलू सरकारी संपत्ति के प्रति जिम्मेदारी का है। जब शिक्षक स्वयं स्मार्ट बोर्ड और उससे जुड़े उपकरणों का सावधानीपूर्वक उपयोग नहीं करते, तब विद्यार्थियों में भी संसाधनों के प्रति सम्मान की भावना विकसित नहीं हो पाती। शिक्षक का व्यवहार ही बच्चों के लिए सबसे बड़ा उदाहरण होता है। यदि वे तकनीकी उपकरणों का जिम्मेदारी से उपयोग करेंगे, तो विद्यार्थी भी सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और सम्मान का महत्व समझेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 डिजिटल शिक्षा और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों पर विशेष बल देती है। लेकिन इस लक्ष्य को केवल उपकरण खरीदकर हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए मजबूत इंटरनेट व्यवस्था, निर्बाध बिजली, प्रशिक्षित शिक्षक, तकनीकी सहायता और डिजिटल सामग्री का नियमित उपयोग आवश्यक है। शिक्षा में वास्तविक परिवर्तन तभी आएगा, जब तकनीक को केवल दिखावे का साधन नहीं, बल्कि सीखने की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाया जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि स्मार्ट बोर्ड की सफलता का मूल्यांकन केवल उनकी संख्या से नहीं, बल्कि उनके वास्तविक उपयोग से किया जाए। यदि किसी विद्यालय में स्मार्ट बोर्ड होने के बावजूद पढ़ाई पुराने तरीके से ही हो रही है, तो यह केवल संसाधनों की बर्बादी नहीं, बल्कि शिक्षा सुधार की भावना के साथ भी अन्याय है। सरकारों, विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक का लाभ हर विद्यार्थी तक पहुंचे।

स्मार्ट बोर्ड भविष्य की शिक्षा का सशक्त माध्यम बन सकते हैं, लेकिन इसके लिए मानसिकता और कार्यशैली में भी बदलाव जरूरी है। जब तकनीक, प्रशिक्षित शिक्षक और मजबूत आधारभूत सुविधाएं एक साथ काम करेंगी, तभी डिजिटल शिक्षा का सपना वास्तव में साकार होगा।

प्रीति और जैस्मिन ने मुक्केबाजी में रचा इतिहास

कॉमनवेल्थ खेलों में भारत ने जीते दो और स्वर्ण पदक

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। शनिवार को भारत ने महज कुछ मिनटों के अंतराल में मुक्केबाजी से दो स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। पहले महिला 54 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में प्रीति पवार ने कनाडा की सवाना डोलमागो को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके तुरंत बाद महिला 57 किलोग्राम वर्ग में जैस्मिन लांबोरिया ने उत्तरी आयरलैंड की मिकाएला वॉल्स को पराजित कर भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीत लिया।

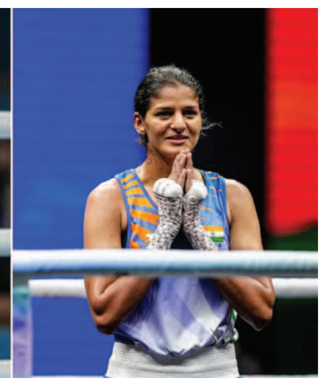

इन दोनों जीत के साथ भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या सात हो गई, जबकि कुल पदकों की संख्या 27 तक पहुंच गई। शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय दल पदक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गया है। भारतीय मुक्केबाजों के शानदार प्रदर्शन से खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। भारत की पदक उम्मीदें अभी और मजबूत हैं। शनिवार को आठ अन्य भारतीय मुक्केबाज भी अपने-अपने वर्गों के स्वर्ण पदक मुकाबलों में उतरेंगे। इनमें जदुमणि सिंह, साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास, अरुंधति चौधरी, लवलीना बोरगोहेन, सचिन सिवाच, अंकुश पंघाल और नरेंद्र बरवाल शामिल हैं। इन खिलाड़ियों से भी देश को स्वर्ण पदक की उम्मीद है। एथलेटिक्स में भी भारत को सफलता मिली। पुरुष ट्रिपल जंप स्पर्धा में प्रवीण चित्रवेल ने 16.58 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता, जबकि सेल्वा प्रभु ने 16.52 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा का स्वर्ण जाम्बिया के जॉर्डन स्कॉट ने जीता।

महिला जूडो में उन्नति शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 63 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। वहीं पैरा एथलेटिक्स की पुरुष 1500 मीटर टी-54 स्पर्धा में भारत के रमेश शनमुगम सातवें स्थान पर रहे। दूसरी ओर, महिला 10,000 मीटर रेस वॉक में नियमों के उल्लंघन के कारण भारत की रवीना गायकवाड़ को अयोग्य घोषित कर दिया गया। शनिवार को कॉमनवेल्थ खेलों में कुल 44 स्वर्ण पदक मुकाबले आयोजित हो रहे हैं। बॉक्सिंग के अलावा एथलेटिक्स, पैरा एथलेटिक्स, जूडो, ट्रैक साइक्लिंग और लॉन बॉल्स में भी भारतीय खिलाड़ी पदक जीतने की चुनौती पेश कर रहे हैं। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौजूदा लय बरकरार रही तो भारत के पदकों की संख्या में और उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है।

जेन जी विवाद पर कंगना ने दिया खुलकर जवाब

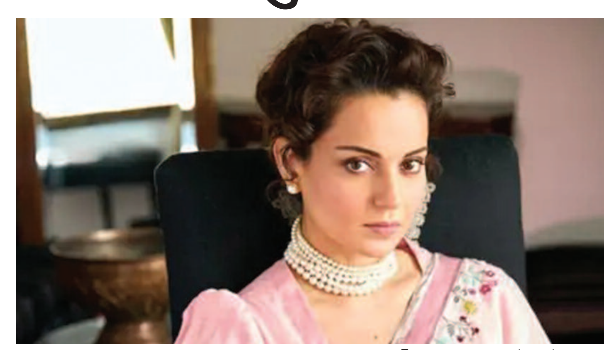

यूनिक समय, नई दिल्ली। जेन जी को लेकर दिए गए बयान पर सोशल मीडिया में घिरी अभिनेत्री कंगना रनौत ने अब आलोचनाओं का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि फिल्मों में निभाए गए किरदारों के आधार पर किसी कलाकार की निजी सोच या व्यक्तित्व का आकलन करना उचित नहीं है। कंगना ने लोगों से रील और रियल लाइफ के बीच का अंतर समझने की अपील की। सोशल मीडिया पर कंगना की फिल्मों के कई दृश्य और किरदार साझा कर उनके हालिया बयान पर सवाल उठाए जा रहे थे। इसके जवाब में उन्होंने संसद में दिए गए अपने पुराने भाषण का वीडियो साझा करते हुए कहा कि अभिनय केवल एक पेशा है और कलाकार अलग-अलग भूमिकाएं निभाते हैं, जिनका उनके वास्तविक जीवन से सीधा संबंध नहीं होता।

फिल्मी किरदारों से मुझे जज करना बिल्कुल गलत

कंगना ने कहा कि फिल्मों का उद्देश्य मनोरंजन करना है, न कि कलाकार की व्यक्तिगत विचारधारा को प्रस्तुत करना। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अधूरी जानकारी के आधार पर युवाओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। अभिनेत्री का कहना है कि किसी अभिनेता के निजी विचारों पर चर्चा हो सकती है, लेकिन उसके फिल्मी किरदारों को उसकी वास्तविक पहचान मानना सही नहीं है। उनके बयान के बाद सोशल मीडिया पर समर्थन और विरोध, दोनों तरह की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं।

धोनी संग अभ्यास में जुटे पंत

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत आगामी श्रीलंका टेस्ट सीरीज की तैयारियों में पूरी तरह जुट गए हैं। इसी क्रम में उन्होंने रांची में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ एक विशेष ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लिया। दोनों खिलाड़ियों की साथ में अभ्यास करती तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसे पूर्व भारतीय स्पिनर शाहबाज नदीम ने साझा किया है। शाहबाज नदीम ने तस्वीर के साथ लिखा, "भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बेहतरीन फिनिशर-ऋषभ पंत और माही भाई!" फोटो में धोनी नीले ट्रैकसूट में जबकि ऋषभ पंत काली टी-शर्ट और शॉर्ट्स में जिम के भीतर अभ्यास करते दिखाई दे रहे हैं। दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को एक साथ देखकर क्रिकेट प्रशंसकों में उत्साह का माहौल है। हालांकि ऋषभ पंत फिलहाल भारत की सीमित ओवरों की टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन

शुभमन गिल की अगुआई वाली टेस्ट टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में उनकी अहम भूमिका मानी जा रही है। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में उनसे बड़ी पारियों की उम्मीद की जा रही है। आईपीएल 2026 ऋषभ पंत के लिए निराशाजनक रहा था। लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने 312 रन बनाए, जबकि टीम अंक तालिका में अंतिम स्थान पर रही। अब पंत की कोशिश टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर पिछली निराशा को पीछे छोड़ने की होगी। वह जून 2026 में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे।

टॉक्सिक के नए पोस्टर ने फिल्म को लेकर बढ़ाया खूब उत्साह

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' का ट्रेलर 8 अगस्त को रिलीज होगा। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर साझा करते हुए इसकी घोषणा की। पोस्टर में यश बारिश से भीगी सड़क पर लंबे कोट और टोपी में रहस्यमयी अंदाज में दिखाई दे रहे हैं, जिससे फिल्म की डार्क और सस्पेंस से भरपूर कहानी की झलक मिलती है।

यश ने पोस्ट के साथ लिखा कि फिल्म का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि 'टॉक्सिक' 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्ट के साथ फिल्म का टाइटल ट्रैक भी साझा किया गया है, जिसे श्रुति हासन ने आवाज दी है।

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। कियारा फिल्म में 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं और इसे अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण एवं रचनात्मक किरदारों में से एक बता चुकी हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही काफी उत्सुकता बनी हुई है।

अध्यक्ष ने बिना मंजूरी रंग बदलने पर मांगा स्पष्टीकरण

हॉकी जर्सी रंग विवाद पर बढ़े नए सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर नारंगी किए जाने का विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अब हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस फैसले पर कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों से लिखित स्पष्टीकरण मांगा है। उनका कहना है कि जर्सी का रंग बदलने का निर्णय न तो उनकी जानकारी में लिया गया और न ही हॉकी इंडिया की कार्यकारी समिति से इसकी औपचारिक मंजूरी ली गई। इस पूरे मामले पर ओडिशा सरकार ने भी हॉकी इंडिया से जवाब तलब किया है। हॉकी इंडिया ने हाल ही में अगले महीने होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम की नई नारंगी जर्सी जारी की थी। जर्सी सामने आते ही कई पूर्व खिलाड़ियों, खेल विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने इस बदलाव

पर सवाल उठाए। इसके बाद हॉकी इंडिया ने दावा किया कि नए रंग के चयन से पहले खिलाड़ियों और कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से सलाह ली गई थी।

हालांकि विवाद उस समय और बढ़ गया जब मीडिया रिपोर्टों में भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ियों के हवाले से कहा गया कि उनसे इस बदलाव को लेकर कोई राय नहीं ली गई। हॉकी इंडिया की कार्यकारी समिति के एक सदस्य ने भी दावा किया कि जर्सी परिवर्तन पर किसी आधिकारिक बैठक में चर्चा नहीं हुई और उन्हें भी इसकी जानकारी नहीं थी।

गौरतलब है कि दो दिन पहले स्वयं दिलीप टिर्की ने इस बदलाव का बचाव करते हुए कहा था कि अंतरराष्ट्रीय हॉकी अब नीले सिंथेटिक टर्फ पर खेली जाती है। ऐसे में नीली जर्सी पहनने से तेज गति के खेल के दौरान खिलाड़ियों को अपने साथियों की पहचान करने में कठिनाई हो सकती है, इसलिए तकनीकी कारणों से रंग बदला गया। अब उनके ताजा बयान ने पूरे मामले में नया मोड़ ला दिया है।

1980 ओलंपिक स्वर्ण विजेता टीम के कप्तान वासुदेवन भास्करन सहित कई पूर्व खिलाड़ियों ने नई जर्सी पर निराशा जताई है। पूर्व कप्तान विरेन रासकिन्हा और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी इस फैसले की आलोचना की है। इस बीच भारतीय टीम 14 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले हॉकी विश्व कप की तैयारियों में जुटी है, जहां वह 1975 के बाद दूसरा विश्व खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेगी।

सलमान खान ने नई फिल्म के लिए घटाई फीस

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने अपनी आगामी फिल्म एसवीसी63 के लिए कथित तौर पर अपनी फीस में बड़ी कटौती की है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जहां सलमान सामान्यतः एक फिल्म के लिए लगभग 120 करोड़ रुपये या उससे अधिक पारिश्रमिक लेते हैं, वहीं इस फिल्म के लिए उन्होंने करीब 70 करोड़ रुपये की फीस स्वीकार की है। बताया जा रहा है कि यह फैसला उन्होंने अपने पुराने दोस्त रफी काजी के अनुरोध पर लिया, जो इस परियोजना में मध्यस्थ की भूमिका निभाने के साथ निर्माता मंडली का भी हिस्सा हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सलमान को फिल्म के मुनाफे, ओटीटी या सैटेलाइट अधिकारों में हिस्सेदारी मिलेगी या नहीं। पिछले कई वर्षों से उनकी फिल्मों में लाभ साझेदारी का मॉडल अपनाया जाता रहा है।

2027 ईद पर रिलीज होगी बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म

वामशी पेडिपल्ली के निर्देशन में बन रही इस एक्शन फिल्म का निर्माण दिल राजू की श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस कर रही है। फिल्म में पहली बार सलमान खान और नयनतारा की जोड़ी बड़े पर्दे पर नजर आएगी। हाल ही में सलमान ने फिल्म के मुहूर्त की झलक भी सोशल मीडिया पर साझा की थी। यह फिल्म ईद 2027 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रिपोर्टों के मुताबिक, सलमान खान पहले भी कई मौकों पर अपने करीबी दोस्तों के लिए बिना फीस कैमियो या विशेष भूमिकाएं निभा चुके हैं। अजय देवगन और रितेश देशमुख जैसे कलाकारों के साथ उनकी दोस्ती के कई उदाहरण फिल्म उद्योग में चर्चा का विषय रहे हैं।

लखनऊ सहित कई शहरों में विरोध प्रदर्शन

संत वेश विवाद में पप्पू यादव के खिलाफ संतों ने दी तहरीर

यूनिक समय, वाराणसी। संसद परिसर में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर किए गए सांकेतिक प्रदर्शन के बाद उत्तर प्रदेश में राजनीतिक विवाद और तेज हो गया है। वाराणसी में संत समाज की शिकायत पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सांसद पप्पू यादव तथा अन्य नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में धार्मिक भावनाएं आहत होने और संत परंपरा के अपमान का आरोप लगाया गया है।

शनिवार को वाराणसी के पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर महंत बालक दास के नेतृत्व में संत समाज का एक प्रतिनिधिमंडल कोतवाली थाने पहुंचा और सांसद पप्पू यादव सहित प्रदर्शन में शामिल अन्य नेताओं के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। संत समाज का आरोप है कि संतों की वेशभूषा का राजनीतिक प्रदर्शन में उपयोग करने से उनकी गरिमा को ठेस पहुंची है और करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उनका कहना है कि लोकतांत्रिक विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन धार्मिक प्रतीकों और संत परंपरा का राजनीतिक उद्देश्य से इस्तेमाल उचित नहीं है। तहरीर में पप्पू यादव के साथ अन्य विपक्षी नेताओं के नाम भी शामिल किए गए हैं। मामले में पुलिस ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है और विधिक प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इधर, लखनऊ वाराणसी और मथुरा समेत कई शहरों में विभिन्न संगठनों ने

संत समाज ने धार्मिक भावनाएं आहत होने का लगाया आरोप

तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने जांच प्रक्रिया शुरू की

विरोध प्रदर्शन किए। कुछ स्थानों पर प्रतीकात्मक प्रदर्शन और नेताओं के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। इस दौरान एक संगठन के पदाधिकारी द्वारा पप्पू यादव के खिलाफ विवादित बयान भी दिया गया, जिसकी व्यापक चर्चा हो रही है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर विधिक प्रक्रिया अपनाई जा रही है और मामले की जांच जारी है। दूसरी ओर, पूरे घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी तेज हो गया है।

मेडिकल छात्र के पास बम बनाने की संदिग्ध पर्ची मिलने से मचा हड़कंप

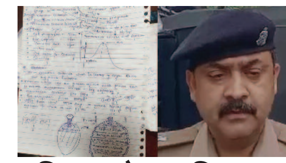

यूनिक समय, अयोध्या। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में पैरामेडिकल प्रथम वर्ष के एक छात्र के पास संदिग्ध पर्ची मिलने के बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बरामद पर्ची में कथित तौर पर विस्फोटक बनाने से संबंधित जानकारी लिखी होने की बात सामने आई है। हालांकि इसकी सत्यता और उद्देश्य की पुष्टि अभी जांच के बाद ही होगी।

जानकारी के अनुसार, छात्र शुक्रवार रात प्रयोगशाला ड्यूटी पर था। इसी दौरान उसके पास से यह पर्ची मिलने की सूचना कॉलेज प्रशासन को मिली, जिसके बाद तत्काल पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि पर्ची उसके पास कैसे पहुंची तथा उसका किसी संदिग्ध गतिविधि से कोई संबंध है या नहीं।

पुलिस क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने बताया कि मामले की गंभीरता

पुलिस और खुफिया एजेंसियां हर पहलू से कर रही हैं जांच

पूछताछ जारी, पर्ची के स्रोत की तलाश तेज

को देखते हुए हर पहलू की गहन जांच की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर अन्य जांच एजेंसियों का भी सहयोग लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस और खुफिया एजेंसियां पर्ची की जांच, उसके स्रोत और उससे जुड़े संभावित तथ्यों की पुष्टि करने में जुटी हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बारिश थमी, नदियां उफनाईं कई जिलों में बढ़ा संकट

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ने के बावजूद कई जिलों में बाढ़ और नदी कटान का संकट बना हुआ है। शनिवार सुबह बरेली में तेज बारिश दर्ज की गई, जबकि लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर सहित कई शहरों में बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं चलीं। मौसम विभाग ने प्रदेश के 71 जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

लगातार बारिश के कारण गंगा, घाघरा, सरयू सहित कई नदियां उफान पर हैं। वाराणसी में बढ़ते जलस्तर से कई घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं और नदी किनारे स्थित कुछ मंदिरों तक पानी पहुंच गया है। बलिया में सरयू नदी के कटान से एक ही दिन में नौ मकान नदी में समा गए, जबकि 100 से अधिक परिवारों को सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा। लखीमपुर खीरी में नहर और नदी के बढ़े जलस्तर के कारण मगरमच्छ के गांव के पास दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। वहीं,

बलिया में कटान से नौ मकान बहे, गंगा घाट जलमग्न हुए

71 जिलों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी

एक गांव में खेत के समीप लगे जाल में लगभग 12 फीट लंबा अजगर फंस गया, जिसे वन विभाग की टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया।

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र फिलहाल ओडिशा और छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ गया है, जिससे प्रदेश में बारिश की गतिविधियां कुछ समय के लिए कमजोर हुई हैं।

हालांकि अगले 24 से 48 घंटों में मानसूनी गतिविधियां फिर तेज होने और 3 अगस्त से अधिकांश क्षेत्रों में अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है।

लखनऊ में शिकायत लेकर आई महिला टावर पर चढ़ी

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी के हजरतगंज स्थित पार्क रोड पर शुक्रवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब आगरा से आई एक महिला शिकायत लेकर टावर पर चढ़ गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस और फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची। काफी देर तक समझाने के बाद महिला को हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की सहायता से सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। घटना के दौरान उसका नाबालिग बेटा नीचे खड़ा रहा।

महिला ने अपनी पहचान आगरा निवासी तुलसा के रूप में बताते हुए आरोप लगाया कि उसके बेटे के साथ पुलिसकर्मियों ने मारपीट की, दो हजार रुपये छीन लिए और मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। उसका कहना था कि वह इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से करने लखनऊ आई थी। विरोध करने पर उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी गई।

महिला को सुरक्षित नीचे उतारने के बाद पुलिस उसे हजरतगंज थाने ले

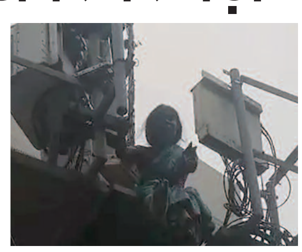

फायर टीम ने समझाकर महिला को सुरक्षित नीचे उतारा

पुलिस पर बच्चे से मारपीट और रुपये छीनने का आरोप

गई, जहां उससे पूछताछ की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला के आरोपों की जानकारी संबंधित अधिकारियों को भेजी जाएगी और पूरे मामले की जांच के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बहादुर शिवानी ने बदमाशों के मंसूबे किए नाकाम

यूनिक समय, एटा। मिरहची कस्बे में एक युवती की बहादुरी से लूट की वारदात टल गई। रात में दुकान बंद कर घर लौट रही शिवानी को रास्ते में दो बदमाशों ने तमंचा दिखाकर थैला छीनने का प्रयास किया। अचानक हुए हमले के बावजूद शिवानी ने साहस नहीं खोया और बदमाशों का डटकर मुकाबला करते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया। लोगों के एकत्र होने की आहट से दोनों बदमाश बिना लूट किए मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला

तमंचा दिखाने पर भी नहीं छोड़ा अपना थैला

सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस

दर्ज कर उनकी पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। घटना के बाद व्यापारियों ने बाजार क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। वहीं, शिवानी के साहस और सूझबूझ की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है।

हॉस्टल से राष्ट्रीय खिलाड़ी वंश रहस्यमय ढंग से लापता

यूनिक समय, आगरा। एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम के हॉस्टल से राष्ट्रीय स्तर के टेबल टेनिस खिलाड़ी वंश सिंह के लापता होने से खेल विभाग और पुलिस में हड़कंप मच गया है। वंश पिछले चार वर्षों से हॉस्टल में रहकर प्रशिक्षण ले रहे थे। परिजनों के अनुसार, हॉस्टल में विवाद की सूचना मिलने के बाद वे पहुंचे, लेकिन अगले दिन बताया गया कि वंश सुबह बिना सूचना दिए हॉस्टल छोड़कर चला गया।

मामले की जांच के दौरान हॉस्टल के सीसीटीवी कैमरे बंद मिले, जिसके बाद पुलिस आसपास के कैमरों और स्मार्ट सिटी नेटवर्क की फुटेज खंगाल रही है। परिजनों ने एक अधिकारी और कर्मचारी पर वंश के साथ मारपीट का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ी बिना सूचना हॉस्टल से निकला था और सीसीटीवी निर्माण कार्य के कारण

सीसीटीवी बंद मिलने से जांच में बढ़ीं कई शंकाएं

पुलिस ने की तलाश तेज, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

बंद थे। पुलिस सभी पहलुओं की जांच करते हुए लापता खिलाड़ी की तलाश में जुटी है।

चंद्रशेखर के नए दांव से पश्चिमी उप्र में गरमाई राजनीति

यूनिक समय, मेरठ। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को गति देते हुए मेरठ जिले की तीन महत्वपूर्ण विधानसभा सीटों पर प्रभारियों की घोषणा कर राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने मेरठ शहर से बदर अली, किठौर से बाबर चौहान खरदौनी और मेरठ कैंट से संजीव पाल को जिम्मेदारी सौंपी है। इन नियुक्तियों को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार और चुनावी रणनीति का अहम कदम माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन चेहरों के जरिए पार्टी विभिन्न सामाजिक वर्गों

तक अपनी पहुंच मजबूत करने का प्रयास कर रही है। मेरठ शहर और किठौर जैसी सीटों पर नई नियुक्तियों के बाद स्थानीय राजनीतिक समीकरणों में बदलाव की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि चुनावी प्रभाव का वास्तविक आकलन मतदान के समय ही स्पष्ट होगा।

तीन विधानसभा प्रभारियों की घोषणा से बढ़ी सियासी हलचल

2027 में चुनावी रणनीति पर विभिन्न दलों की नजर

आसपा ने संकेत दिए हैं कि वह इस बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। पार्टी की ओर से अभी मेरठ की अन्य विधानसभा सीटों पर भी प्रभारियों की घोषणा की जानी है, जिस पर सभी प्रमुख दलों की नजर बनी हुई है।

इधर, नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद के हस्तिनापुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावनाओं को लेकर भी राजनीतिक अटकलें तेज हैं। यदि ऐसा होता है तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश की चुनावी तस्वीर पर इसका असर पड़ सकता है। विभिन्न दल भी क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। आने वाले दिनों में प्रत्याशियों की घोषणा और राजनीतिक गतिविधियों के साथ चुनावी माहौल और अधिक सक्रिय होने की संभावना जताई जा रही है।

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद पेपर लीक कानून हुआ और सख्त

तीन महीनों में दोषियों को मिलेगी सख्त कानूनी सजा

फास्ट ट्रैक अदालतें करेंगी रोज सुनवाई, जांच भी होगी समयबद्ध

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा लाए गए लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन कानून, 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। राष्ट्रपति की स्वीकृति के साथ ही यह संशोधित कानून प्रभावी हो गया है। सरकार का कहना है कि नए प्रावधानों से पेपर लीक माफियाओं पर त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित होगी तथा परीक्षा व्यवस्था में जनता का विश्वास और मजबूत बनेगा।

संशोधित कानून के अनुसार अब पेपर लीक से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए प्रत्येक राज्य में फास्ट ट्रैक अदालतों का गठन किया जाएगा। इन अदालतों में प्रतिदिन सुनवाई होगी और अधिकतम 90 दिनों के भीतर मुकदमे का निस्तारण कर दोषियों को सजा सुनाई जाएगी। साथ ही जांच एजेंसियों को दो महीने के भीतर विवेचना पूरी करने का दायित्व दिया गया है, जिससे मामलों में अनावश्यक देरी नहीं होगी।

नए कानून के तहत दोषी पाए जाने पर पांच से दस वर्ष तक के कठोर कारावास का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा जुर्माने की अधिकतम राशि बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दी गई है। पहले लागू कानून में तीन से पांच वर्ष की सजा और 10 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान था। अब जांच के लिए विशेष कार्यबल (स्पेशल टास्क फोर्स) का गठन भी किया जाएगा, जो पेपर लीक के संगठित नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई करेगा।

केंद्र सरकार का मानना है कि यह कानून परीक्षा प्रणाली को अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के साथ-साथ युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले गिरोहों पर कड़ा प्रहार साबित होगा।

जंतर-मंतर विवाद में किशोरी ने मांगी सार्वजनिक माफी

वीडियो जारी कर गलती स्वीकार की बहकावे में आना बताया

भटके बच्चों को माफ करना चाहता हूं: पीएम मोदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो वायरल होने के बाद 15 वर्षीय किशोरी ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए अपनी गलती स्वीकार की है। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में उसने हाथ जोड़कर कहा कि वह दोस्तों के साथ घूमने गई थी और प्रदर्शन के दौरान मौजूद लोगों के प्रभाव में आकर अनुचित भाषा का प्रयोग कर बैठी। उसने इसे अपनी पहली और आखिरी गलती बताते हुए क्षमा की अपील की। इस मामले में किशोरी के खिलाफ 30 जुलाई को नोएडा में मामला दर्ज किया गया था। वहीं, सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में साझा एक वीडियो संदेश में कहा कि बचपन में गलतियां हो जाती हैं और भटके हुए बच्चों को सही राह दिखाने का अवसर देना चाहिए। उन्होंने ऐसे बच्चों को माफ करने की बात भी कही। मामले को लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई संबंधित एजेंसियों के स्तर पर जारी है।

इंदौर सड़क हादसे में मासूम की मौत

दो कारों की भिड़ंत में चार वर्षीय बालक हुआ घायल

जांच शुरू, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के इंदौर के गांधीनगर थाना क्षेत्र में दो कारों की आमने-सामने की भिड़ंत में चार वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। परिवार देवास से मानपुर एक रिश्तेदार की तेरहवीं में शामिल होने जा रहा था। हादसे के दौरान बच्चा अपनी मां की गोद में बैठा था। टक्कर इतनी तेज थी कि एयरबैग खुल गए, लेकिन मासूम उछलकर कार के डैशबोर्ड से टकरा गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

हादसे में कार सवार अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सामान्य कराया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों से पूछताछ कर दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। अधिकारियों ने लोगों से वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने और बच्चों की सुरक्षा के लिए उचित सीट व सीट बेल्ट का उपयोग करने की अपील की है।

कुलगाम आतंकी हमले में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या

नाम पूछकर आतंकियों ने हिंदू मजदूरों पर चलाई गोलियां

सुरक्षा बलों ने घेराबंदी कर तलाशी अभियान तेज किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शुक्रवार रात आतंकियों ने ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे दो प्रवासी मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हमलावरों ने पहले मजदूरों की पहचान और नाम पूछे, फिर दो हिंदू मजदूरों को अलग कर उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। मृतकों की पहचान छत्तीसगढ़ निवासी 24 वर्षीय दीपक रात्रे और 28 वर्षीय भूपेंद्र के रूप में हुई है। एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने श्रीनगर के अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

घटना कुलगाम के केलाम क्षेत्र में हुई, जहां कई प्रवासी मजदूर ईंट-भट्ठे पर कार्यरत थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावर मोटरसाइकिल से पहुंचे और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। हमले के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल के आसपास व्यापक घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

जांच एजेंसियां हमले के पीछे सक्रिय आतंकी संगठन और उसके नेटवर्क की पड़ताल कर रही हैं। प्रारंभिक आशंका है कि हमले में प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े आतंकियों का हाथ हो सकता है। ईंट-भट्ठे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से अतिरिक्त आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों पर हमला मानवता के विरुद्ध अपराध है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में हर वर्ष लाखों प्रवासी मजदूर विभिन्न निर्माण, कृषि, बागवानी और ईंट-भट्ठों में कार्य करने पहुंचते हैं। इस घटना के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर विक्टिम कार्ड खेलने का लगाया आरोप

पेपर लीक और छात्र कार्रवाई पर माफी मांगी

प्रधानमंत्री के वीडियो संदेश पर तेज हुई सियासी बहस

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया वीडियो संदेश को लेकर कांग्रेस ने उन पर निशाना साधते हुए 'विक्टिम कार्ड' खेलने का आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को युवाओं को माफ करने की बात कहने के बजाय पेपर लीक की घटनाओं और प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई कार्रवाई के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि युवाओं की समस्याओं और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर सरकार जवाब देने से बच रही है।

पार्टी का कहना है कि लाखों छात्रों को परीक्षा संबंधी अनियमितताओं और विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई कार्रवाई से कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वीडियो संदेश में कहा था कि बचपन में गलतियां हो जाती हैं और भटके हुए बच्चों को सही दिशा दिखाने की आवश्यकता है। इस बयान के बाद दोनों पक्षों के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

पीओके में हिंसा बढ़ी, मानवाधिकार उल्लंघन के लगे गंभीर आरोप

प्रदर्शनों के बीच पचास से अधिक मौतों का दावा

अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) ने दावा किया है कि पिछले चार दिनों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 50 से अधिक लोगों की मौत हुई है, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (एचआरएफ) ने भी निहत्थे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित बल प्रयोग की निंदा करते हुए पाकिस्तान से हिंसक कार्रवाई रोकने, संचार सेवाएं बहाल करने और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग की है।

उधर, यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) के प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों से मुलाकात कर पीओके में मानवाधिकार स्थिति पर चिंता जताई और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की अपील की। वहीं, पाकिस्तान की ओर से इन आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र को विकास परियोजनाओं की दी सौगात

भोगपुरम एयरपोर्ट सहित कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया

सड़क ऊर्जा बंदरगाह से विकास को मिलेगी नई गति

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगपुरम में लगभग 17,900 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण किया। इस दौरान उन्होंने भोगपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन भी किया और कहा कि यह परियोजना उत्तर आंध्र के आर्थिक विकास, पर्यटन, व्यापार और रोजगार के लिए नई संभावनाओं का द्वार खोलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं में सड़क संपर्क, ऊर्जा सुरक्षा और आधारभूत ढांचे से जुड़ी अनेक योजनाएं शामिल हैं, जो प्रदेश के समग्र विकास को गति देंगी। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश तेज़ी से प्रगति कर रहा है और केंद्र सरकार राज्य के विकास में हरसंभव सहयोग दे रही है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भोगपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि देश अब महान विभूतियों और स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में सार्वजनिक संस्थानों का नामकरण कर उनकी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्लू इकोनॉमी, आधुनिक बंदरगाहों और तटीय आर्थिक गलियारे के विकास पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि विशाखापट्टनम से कृष्णापट्टनम तक बंदरगाहों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जबकि मुलापेटा और रामायापट्टनम में नए बंदरगाह विकसित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही विशाखापट्टनम में सेमीकंडक्टर संयंत्र की आधारशिला को भविष्य की तकनीकी प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में 13 हजार से अधिक आदिवासी महिलाओं द्वारा प्रस्तुत धिमसा नृत्य की सराहना करते हुए इसे जनजातीय संस्कृति का गौरव बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के विकास दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य में आधुनिक बुनियादी ढांचे और सांस्कृतिक विरासत को समान महत्व दिया जा रहा है, जिससे आंध्र प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होगा।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन सतर्क, सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

यूनिक समय, मथुरा। सावन माह में कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। शनिवार को डीएम की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित कर कांवड़ यात्रा मार्ग, प्रमुख मंदिरों और घाटों पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की समीक्षा की गई।

एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि जिले के 41 प्रमुख शिव मंदिरों में सावन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। इसे देखते हुए लगभग 80 किलोमीटर लंबे

कांवड़ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और आवश्यक सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की जा रही है। सभी एसडीएम और सीओ अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण कर रहे हैं और जहां भी कोई कमी मिल रही है, उसे

41 प्रमुख मंदिरों, 80 किलोमीटर मार्ग पर बढ़ाई जाएगी निगरानी

ड्रोन, सीसी कैमरे और जल पुलिस रहेगी तैनात

तत्काल दूर कराया जा रहा है।

11 अगस्त को सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाएगा। संवेदनशील घाटों पर जल पुलिस की तैनाती होगी, जबकि पूरे कांवड़ मार्ग पर ड्रोन कैमरों, सीसी कैमरों और सार्वजनिक सूचना प्रणाली के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। इन सभी व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए केंद्रीकृत कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। एसएसपी ने बताया कि कांवड़ संघों के पदाधिकारियों के साथ नियमित बैठकें कर उन्हें उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। डीजे की ध्वनि निर्धारित सीमा में रखने और उसकी ऊंचाई 12 फीट से अधिक नहीं रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यात्रा उपलब्ध कराना है।

बरसाना में एक पेड़ मां राधे के नाम अभियान का शुभारंभ

बरसाना में एक पेड़ मां राधे के नाम अभियान में पौधारोपण करते लोग।

यूनिक समय, बरसाना। पर्यावरण संरक्षण और ब्रज संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को बरसाना स्थित माताजी गौशाला में 'एक पेड़ मां राधे के नाम' अभियान का शुभारंभ किया गया। लायंस क्लब दिल्ली श्री राधा डिस्ट्रिक्ट की ओर से आयोजित अभियान के तहत 5000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभियान संत रमेश बाबा के आह्वान से प्रेरित होकर शुरू किया गया। उनके सान्निध्य और आशीर्वाद में पौधारोपण की शुरुआत हुई। गौशाला में ब्रज शरण, राधाकांत, सुनील सिंह, हिमांशु शर्मा सहित लायंस क्लब के पदाधिकारियों, समाजसेवियों, पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

अभियान में संदीप कुमार, फर्स्ट लेडी रेनू वर्मा, शैलेंद्र सिंघल, आरके वरमानी, हेमंत मोंगिया, ओंकार सिंह, प्रतिभा अग्रवाल, आरके जग्गी, प्रदीप सिंघल, सुनीता सिंघल, अनिल अरोड़ा, विनोद जायसवाल, प्रीति होरा, रीता गुप्ता, सुधीर शुक्ला, मधु शर्मा, ऋचा शर्मा, पूनम अग्रवाल, विनोद गोयल, लक्ष्मीनारायण, अमित भारद्वाज, अनीता अग्रवाल, सुमंत कांत पालीवाल, डॉ. अमर सिंह पौनिया सहित बड़ी संख्या में लायंस क्लब के सदस्य, स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कान्हा माखन पब्लिक स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों और गुरुजनों का सम्मान

कान्हा माखन स्कूल में मेधावी छात्रा को सम्मानित करते ग्रुप के निदेशक शुभम अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा माखन पब्लिक स्कूल के सभागार में शनिवार को कान्हा माखन ग्रुप ऑफ स्कूल्स की सभी शाखाओं के मेधावी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सीबीएसई सत्र 2025-26 की कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 214 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी सम्मानित किया गया, जिनके मार्गदर्शन और मेहनत से विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट सफलता हासिल की। अतिथि मृदुल कृष्ण शास्त्री ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि प्रतिभा का सम्मान अन्य छात्रों को भी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और भक्ति का समन्वय व्यक्ति को जीवन की हर चुनौती का सामना करने की शक्ति प्रदान करता है। समारोह में विद्यालय प्रबंध समिति के प्रबंधक अनिल अग्रवाल, सचिव सुनील अग्रवाल, सदस्य पुनीत अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल और ललित अग्रवाल, प्रधानाचार्य विनय शर्मा, प्रमोद कुमार शर्मा सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन निशु मिश्रा और अक्षिता सक्सेना ने किया।

जातिगत आधार पर आरक्षण समाप्त करने की मांग

बैठक में मौजूद सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की बैठक जगन्नाथ पुरी स्थित कैंप कार्यालय पर संस्थान अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई। उपस्थित जनों द्वारा भगवान परशुराम के चित्रपट पर पुष्प अर्पित कर बैठक का शुभारंभ हुआ।

उपस्थित विप्रों द्वारा जातिगत आधार पर आरक्षण समाप्त करने की मांग की गई, जिसके लिए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन डीएम को दिया जाएगा। निर्णय लिया गया संस्था का कोष बढ़ाने को नये सदस्य बनाने के लिए विप्रों से संपर्क किया जाएगा।

बैठक में तय हुआ कि इस वर्ष भी संस्थान द्वारा 44 वां विशाल मेधावी छात्र सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें बच्चों को लैपटॉप, डेक्स कंप्यूटर, स्मार्टफोन सर्वाधिक अंक पाने वालों को दिए जाएंगे, अभी तक प्राप्त 170 अंकतालिका पर विचार किया गया। हाई स्कूल और इंटर यूपी बोर्ड 75प्रतिशत अंक वाले छात्र, सीबीएससी वा अन्य बोर्ड हाई स्कूल और इंटरमीडिएट छात्र-छात्रा 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले और उच्च शिक्षा में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले ब्राह्मण मेधावी विद्यार्थी

नये सदस्य बनाए जाएंगे ब्राह्मण मेधावी विद्यार्थी किए जाएंगे सम्मानित

सम्मानित किए जाएंगे।

ऐसे ब्राह्मण मेधावी छात्र-छात्रा अपनी अंक तालिका की छाया प्रति, टेलीफोन नंबर और पते के साथ आचार्य कंप्यूटर विकास बाजार पतंजलि स्टोर कृष्णा नगर पुलिस चौकी के सामने, कृष्णा ज्वेलर्स धौलीप्याऊ, श्री हरि मेडिकल स्टोर शास्त्री नगर, राहुल मैचिंग सेंटर छत्ता बाजार, सुरेंद्र पोशाक वाले कृष्ण प्लाजा मसानी और प्रधान कार्यालय वाटी वाली कुंज लाल दरवाजा पर 10 बजे से तीन बजे तक आठ अगस्त तक जमा कर सकते हैं। सम्मान समारोह का यह कार्यक्रम चित्रकूट मसानी पर 16 अगस्त को दोपहर दो बजे से प्रारंभ होगा।

बैठक में प्रमुख रूप से पीपी शर्मा, मुरलीधर शर्मा, नारायण प्रसाद शर्मा, दिवाकर आचार्य, सुभाष तिवारी, संजय हरियाणा, दिलीप पांडे, डॉ. जमुना शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, राकेश गौड़, पारस तिवारी, मुकट मानी शर्मा प्रमुख रूप उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर महिलाओं के लिए बुनकर प्रशिक्षण शुरू

यूनिक समय, फरह। 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर 45 दिवसीय हथकरघा बुनाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। गो ग्राम परखम स्थित अशोक सिंघल हॉल में भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय, बुनकर सेवा केंद्र मेरठ और दीनदयाल बुनकर केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में समर्थ योजना के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण में 17 गांवों की 30 महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम में होमगार्ड- नागरिक सुरक्षा विभाग के राज्य मंत्री डॉ. धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि केंद्र सरकार पारंपरिक उद्योगों को बढ़ावा देने और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि समर्थ योजना कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। वस्त्र मंत्रालय के उपनिदेशक तपन शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी, जिससे वे बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद तैयार कर सकें। बुनकर प्रशिक्षण केंद्र के उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक प्रतिभागी महिला को प्रशिक्षण अवधि में प्रतिदिन 300 रुपये का मानदेय मिलेगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद परीक्षा आयोजित होगी और सफल प्रतिभागियों को करीब 30 हजार रुपये लागत का करघा अनुदान के साथ उपलब्ध कराया जाएगा।

इस अवसर पर स्मारक निदेशक सोनपाल, राहुल गोयल, अर्पित माहेश्वरी, उदित बंसल, शशिकांत, राम पाठक, किशन, अशोक, रामवीर फौजदार, महिपाल सिंह, पारस, राजदर्शन, राजेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

चैंपियनशिप के लिए पुलिस मॉडर्न स्कूल के दो खिलाड़ियों का चयन

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने जिला स्तरीय एथलेटिक्स चयन ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जगह बनाई है। अब दोनों खिलाड़ी सात- आठ अगस्त को प्रयागराज में होने वाली 21 वीं स्टेट यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय चयन ट्रायल में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिला एथलेटिक एसोसिएशन के सचिव जय सिंह ने बताया कि अंडर-18 बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ के लिए पुलिस मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र प्रिंस यादव और अंडर-18 बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ के लिए छात्रा अनामिका पाल का चयन किया गया है। दोनों खिलाड़ियों की सफलता में विद्यालय के शारीरिक शिक्षक कर्मवीर और तेजेश चौधरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर एसएसपी श्लोक कुमार, एसपी अपराध श्वेता यादव, सीओ सिटी आशना चौधरी सहित पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बधाई दी।

दो गांजा तस्कर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। फरह पुलिस ने चेकिंग के दौरान नगला दौजी की पुलिया के समीप से बाइक से गांजा ले जाते दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 13 किलो 670ग्राम गांजा बरामद किया है। सीओ रिफाइनरी प्रवीण कुमार ने बताया कि थाना प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल, चौकी प्रभारी परखम प्रवीण कुमार और उप निरीक्षक अजय सिंह मलिक के साथ परखम रोड पर गश्त कर रहे थे। नगला दौजी की पुलिया के समीप बाइक से जाते दो युवकों को चेकिंग के लिए रोका तो बाइक सवार युवक घबरा गए। पुलिस ने तलाशी ली तो उनके पास से 13 किलो 670 ग्राम गांजा मिला। पुलिस ने अभियुक्त थाना रिफाइनरी की कदम बिहार कॉलोनी में रहने वाले युवक रोहित और गांव पिपरौली थाना मांट निवासी मनीष को गिरफ्तार कर लिया। सीओ के अनुसार, पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि दोनों युवक थाना यमुनापार के गांव दूधाधारी में रहने वाले रितेश से गांजा खरीद कर फुटकर में बिक्री करते हैं। पुलिस ने दोनो अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

ब्लॉक प्रमुख विपिन सिंह के जन्मदिन पर हुआ रक्तदान

शिविर में रक्तदान करते हुए ब्लाक प्रमुख।

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन ब्लॉक प्रमुख विपिन सिंह के जन्मदिवस पर सौंख रोड स्थित महाराजा कॉलेज पाली डूंगरा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन ब्लड डोनर लोकेन्द्र शर्मा की टीम के सहयोग से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख ने स्वयं रक्तदान कर किया। सद्भावना ब्लड बैंक के डायरेक्टर संजीव सारस्वत ने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। ब्लड बैंक के मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रदीप पाराशर ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष में तीन बार रक्तदान करना चाहिए। शिविर में विपिन सिंह, वीरपाल, रंजय दीक्षित, विवेक, राजकुमार, रवि कुमार, छत्रपाल, बसंत, दीपक, गजेंद्र, संजय, धर्मेंद्र, वेदप्रकाश, अरविंद, हिमांशु बंस, सुखबीर, अमित, सुमित, मीनेश, सतीश, नरेश, अतुल, मोनू सहित अनेक लोगों ने रक्तदान किया।

काम कराने के नाम पर पैसे मांगने वालों से रहें सावधान

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए रतन कीर्ति ने शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और अधिकारियों को सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने कहा है कि कुछ लोग बीएसए कार्यालय का नाम लेकर काम कराने और अनुचित लाभ दिलाने का झांसा देकर पैसे मांग रहे हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहें और उनकी तुरंत शिकायत करें। बीएसए ने बताया कि विभाग को ऐसी कई सूचनाएं मिल रही हैं कि कुछ लोग खुद

बीएसए कार्यालय के नाम पर ठगी करने वालों पर होगी कार्रवाई

को बीएसए कार्यालय से जुड़ा बताकर शिक्षकों और कर्मचारियों से धन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि कार्यालय का हर काम नियम और तय प्रक्रिया के अनुसार ही होता है। किसी भी व्यक्ति को पैसे देने की जरूरत नहीं है।

यदि कोई व्यक्ति जल्दी काम कराने, तबादला, नियुक्ति या किसी अन्य काम के नाम पर पैसे मांगता है या खुद को प्रभावशाली बताकर लालच देता है, तो उसकी सूचना तुरंत बीएसए कार्यालय के अधिकृत फोन नंबर 0565-2970031 पर दें या सीधे उनको बताएं। शिकायत मिलते ही जांच कर दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक और कर्मचारी अपने काम के लिए केवल संबंधित पटल से ही संपर्क करें। जरूरत होने पर ही निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनसे मिलें। बीएसए ने चेतावनी दी है कि बिना किसी सरकारी काम के कार्यालय में आने या कार्यालय के काम में बाधा डालने वाले लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।